केन्द्रीय विद्यालय क्र०–2, ओ० सी० एफ० शाहजहाँपुर

विद्यालय पत्रिका

सत्र : 2021–22

CHIEF PATRON

Sh. Devendra Kumar Dwivedi
Deputy Commissioner
KVS (RO.), Lucknow

Smt. Preeti Saxena
Assistant Commissioner
KVS (RO.), Lucknow

PATRON

Sh. Ashad Ali Khan
I/C Principal
KV-2, OCF, Shahjahanpur

Sh. Vijay Prakash
Vice Principal
KV-2, OCF, Shahjahanpur

Editorial Board

Chief Editor : Mr. Mairaj Ahmad, PGT(English)

हिंदी अनुभाग

Mr. Anupam Bhardwaj, PGT(Hindi)
Mr. Ramendra Pal, PGT(Hindi)
Mr. J. Singh, TGT(Hindi)
Mr. Dhoom Singh, TGT(Hindi)
Mr. Prashant Kumar, TGT(Hindi)
Mr. Pankaj Gupta, TGT(Hindi)

English Department

Mr. Mairaj Ahmad, PGT(English)
Mrs. Ritu, PGT(English)
Mrs. Nisha Srivastava, TGT(English)
Ms. Shubhashni Prakash, TGT(English)
Ms. Shalu Rani, TGT(English)
Mrs. Rajni Yadav, TGT(English)

Graphics&Designing

Mr. Mohd Hashim, PGT (Computer Science)
Mrs. Sonali Dhoundiyal, PGT (Computer Science)
Mr. Shubham Yadav, Computer Instructor
Mrs. Pooja Shukla, Computer Instructor
Mr. Ankitesh Gaurav, Computer Instructor

संस्कृत अनुभाग

Ms. Renu Bala, TGT(Sanskrit)
Mr. Ibrahim, TGT(Sanskrit)

Art Department

Mrs. Anubha, TGT(A.E)
Mrs. Naushaba Iqbal, TGT(A.E)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
Kendriya Vidyalaya Sangathan
क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ
Regional Office, Lucknow
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन
Under Ministry of Education,
Govt. of India
Website: https://rolucknow.kvs.gov.in/

दिनांक: 21.06.2022

<u>संदेश</u>

अत्यंत हर्ष व गौरव का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय, क्र. 2. ओ. सी. एफ. शाहजहांपुर द्वारा विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणीय संस्था है, जिसमें अध्ययनरत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न प्रकार के क्रियाकलाप किये जाते है, जिसमे विद्यालय पत्रिका विशिष्ट स्थान रखती है पत्रिका, विद्यालय में हुई विभिन्न गतिविधियों का बिम्ब प्रस्तुत करने के साथ-साथ विद्यार्थीयों की रचनात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन व लेखन प्रतिभा को भी उचित मंच प्रदान करने का सशक्त साधन है।

मैं श्री असद अली खान , उप-प्राचार्य एव प्रभारी प्राचार्य, के वि ओ. सी. एफ. शाहजहांपुर को उनके कुशल मार्गदर्शन, संपादन मंडल को उनकी कर्मठता एवं विद्यार्थीयों को उनके सृजनात्मक कौशल हेतु साधुवाद प्रेषित करती हूँ, जिनके कारण पत्रिका का सफल प्रकाशन संभव हो पाया।...

सभी को अनंत शुभकामनाएँ

प्रीति सक्सेना
सहायक आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठ
लखनऊ संभाग

श्री असद अली खान
उप–प्राचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय, क्र. 2. ओ. सी. एफ. शाहजहांपुर

वी. मतिवाणन, भा.आ.नि.से.
महाप्रबंधक
V. MATHIVANAN, IOFS
General Manager

आयुध वस्त्र निर्माणी
ORDNANCE CLOTHING FACTORY
ट्रूप कम्फ़र्ट्स लिमिटेड की इकाई
A UNIT OF TROOP COMFORTS LIMITED
भारत सरकार का उपक्रम
GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE
रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF DEFENCE
शाहजहाँपुर-242001
SHAHJAHANPUR-242001

From the Charmin's Desk

It's a matter of great pride to pen down the message for School Magazine. Education is the basis of all progress. Its purpose is to inculcate humanitarian values, wisdom, compassion, courage and reliability in students. Academic excellence along with active participation in co-curricular activities complete the process of education and it gives me immense pleasure that the school is progressing in all its endeavors towards the overall development of the students. The school has marched forward to spread the light of education and pave the path of excellence for every student. It is heartening to see the achievements of the students and the school's progress throughout the year.

The school magazine a platform for the students to express their creative pursuits which develop originality of thought and perception in them. The context of the magazine reflect the wonder creativity of thoughts and imagination of our school students. This year our students teacher have tried to show elation of their heart through this magazine on the theme **Universal Brotherhood** or **Vasudhaiv Kutumbkam.**

I hope the school graduates will become leaders of their chosen fields and contribute positively towards the progress of our nation and of humanity at large.

May the beacon of truth and knowledge show us the right path.

Happy Reading !

(V. MATHIVANAN)
GENERAL MANAGER
CHAIRMAN/KV-II

आयुध वस्त्र निर्माणी, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242001
फोन/Phone : (05842)-223416, 223704
Ordnance Clothing Factory, Shahjahanpur, UP-242001
फैक्स/FAX : 05842-223328

प्राचार्य की कलम से,

केंद्रीय विद्यालय, जिसकी नींव वसुधैव कुटुम्बकम मंत्र के आधार पर रखी गई है, जिसमें समस्त विचारधाराओं का समावेश है ऐसे विद्यालय की वार्षिक पत्रिका, राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा बाल केंद्रित व्यवस्था के अंतर्गत विद्यार्थियों की कल्पनाशील ऊर्जा को सृजनात्मक क्षमता तथा आत्मबोध को मुखर बनाने हेतु लेखनरूपी मंच प्रदान करती है जिसमें उनकी अर्जित भावनाओं, भाषायी दक्षता व साहित्यिक अभिव्यक्ति एवं स्वाभाविक मेधा का सम्यक विकास किया जा सके।

इस वर्ष सत्र के प्रारंभ से ही कोरोना महामारी ने समस्त गतिविधियों के व्यवस्थित संचालन में अवरोध उत्पन्न किया,अद्यावधि कर रही है किंतु ऊर्जास्वित विद्यालय परिवार इस कड़ी चुनौती को स्वीकार करते हुए समस्त कठिनाइयों को पार करते हुए अपने लक्ष्यप्राप्ति हेतु दृढ़प्रतिज्ञ एवं निरंतर गतिशील है।

"इस पथ का उद्देश्य नहीं है,
श्रान्त भवन में टिक रहना,
किंतु पहुंचना उस सीमा तक,
जिसके आगे राह नहीं है"।

इस विद्यालय की ई-पत्रिका की प्राण प्रतिष्ठा में अपने अनमोल संदेश एवं शुभाशीष द्वारा हमारा मार्गदर्शन करने के लिए समस्त अधिकारियों आयुक्त/ उपायुक्त/ विद्यालय समिति के अध्यक्ष/ नामिनी अध्यक्ष/ सहायक आयुक्त के प्रति, मैं हार्दिक आभार अभिव्यक्त करता हूं।

विद्यार्थियों की नैसर्गिक प्रतिभा, अभिभावकों ,शिक्षकों के सहयोग-सम्बल हेतु धन्यवाद ज्ञापन एवं सभी सुधिजनो के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

मैं आशान्वित हूं कि शैक्षिक सांस्कृतिक एवं सम-सामयिक परिवेश को नए लक्ष्य, नए आयाम तथा नई दिशा की ओर अग्रसर करने में हमारे नैतिक मूल्य अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे।

अनंत शुभकामनाओं सहित-

असद अली खान

प्रभारी प्राचार्य

उप-प्राचार्य की कलम से........

विद्यार्थियों में अंतर्निहित सर्जनात्मक प्रतिभा को उचित मंच देने के लिए विद्यालय पत्रिका एक सशक्त माध्यम है। विद्यालयरूपी उपवन में विद्यार्थियों रूपीपौधों को पुष्पित और पल्लवित होने का पूर्ण अवसर प्राप्त होता है। विद्यालय ही वह स्थान है जहाँ युवा मन में स्वस्थ सामाजिक परम्पराओं, श्रेष्ठ संस्कारों, उच्चनैतिकमूल्यों और राष्ट्रप्रेम का बीजारोपण किया जाता है।

मेरी परम पिता परमेश्वर से हार्दिक प्रार्थना है कि हमारे विद्यार्थी जब शिक्षा पूर्ण कर विद्यालय से विदा हों तो सकारात्मक ऊर्जा, उत्तमचरित्र और नैतिकमूल्यों से लबरेज ऐसे विचारवान युवा बनकर निकलें जो समाज के हर क्षेत्र में अपना विशेष स्थान बना सकें।

मैं माननीय प्रभारी प्राचार्य जी का हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ जिनके कुशल निर्देशन में विद्यालय निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर है। मैं विद्यालय पत्रिका के संपादक मण्डल को भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिनके अथक प्रयासों से इस पत्रिका को एक नए कलेवर में हम पाठ कों के सम्मुख प्रस्तुतकर सके।

धन्यवाद।

विजय प्रकाश

उप-प्राचार्य(प्रथम पाली)

FROM THE EDITOR'S DESK

Dear Readers,

E-Patrika-2021-22 of K.V.NO-02 OCF is at hand to felicitate the creativity of all the contributors. At the very outset, I as a chief editor, extend my heartiest congratulation to all the budding poets, authors, writers and artists who manifested their creativity to contribute in E-Patrika-2021-22.

Each child carries within a vast infinite source of power, strength and creativity. This Infinite strength or innate potential cannot be seen or measured using any object or instrument. But I strongly feel that this strength or innate potential can be uncoiled by making our students say and feel, YES, 'I CAN…. .. The statement of Nelson Mandela **"It always seems impossible until it's done."** and his great accomplishments, strengthen my belief.

The school magazine is one of the most prominent tools to explore the latent talent. The school magazine is a platform for the student to express their creativity which develops originality of thoughts and perception among the students. The content of the magazine reflects the wonderful creativity of thoughts and imagination of our students. It provides an ideal platform for the students to express themselves.

"Black colour is sentimentally bad but, every black board makes the students life bright." – Late Sh. A.P.J. Abdul Kalam (Great Scientist & Former President of India)

In the light of Kalam Sahab's golden words, I urge all the erudite colleagues to love their subjects and develop passion for this noble profession to enable their students to imbibe all the virtues of good and responsible citizens. Our learned colleagues must organize 'Critical discussion with sustained discipline and logic to develop rationality and nosiness among the students so that they may take right decisions to shape their future and the future of our country as well, when they grow up.

As KV teachers, we should unceasingly encourage our students to look beyond old concepts of knowledge and learning, to enable them to face and overcome the challenges of the emerging world.

At last but not least, I express my deepest gratitude to the learned I/C Principal Sh. Ashad Ali Khan & Sh. Vijay Prakash, Vice-Principal (Ist-Shift) for their constant support, valuable guidance and farsightedness. I am also thankful to all the members of editorial board, members of Graphic and designing committee for their sincere cooperation and other faculty members for their valuable suggestions to release E-Patrika and its publication as well for the session of 2021-22.

MAIRAJ AHMAD
PGT (ENGLISH)
(FIRST SHIFT)

खुद को तलाशें तथा तराशें..................

हर विद्यार्थी के जीवन में हर दिन एक नया दिन होता है। बीते हुए कल से कुछ बेहतर करने का अवसर। प्रत्येक विद्यार्थी में असंभव को संभव बनाने की क्षमता होती है ।कहते हैं जब आंख खुले तभी सवेरा अन्यथा चारों ओर अंधेरा। नेपोलियन बोनापार्ट के शब्दकोश में असंभव जैसा कोई शब्द नहीं था। उनके जैसे और बहुत से महान लोग हमें इतिहास के पन्नों में मिलते हैं जो खुद को जानने, समझने और उत्तरोत्तरउन्नत करने में विश्वास करते थे। वे दूसरों को देखने और खुद को तलाशने में ज्यादा ध्यान देते थे।उन्हें अंदर से बाहर की तरफ विकसित होने में यकीन था। विचारणीय बात यह है कि आखिर किसी भी विद्यार्थी को खुद उस विद्यार्थी से बेहतर और कौन जानता है या जान सकता है ? हर विद्यार्थी में न जाने कितने गुण , कितनी क्षमताएं दवी एवं छुपी रहती हैं। इन गुणों और क्षमताओं को तलाशना हर विद्यार्थी की बेहतरी के लिए आवश्यक माना गया है।

कई बार ऐसा भी देखा गया है कि किसी विद्यार्थी को अपने अंदर छुपे गुणों और क्षमताओं का ज्ञान नहीं होता, तब जामवंत जैसे लोग उन्हें यह विश्वास दिलाते हैं कि उनमें भी पवनपुत्र हनुमान जी के समान असाधारण गुण और असीमित क्षमताएं हैं और उसके अनुरूप कार्य करने की दक्षता भीवह हासिल कर सकते हैं।नेपोलियन का यह कथन भी विचारणीय है कि" अच्छी तरह से जान लीजिए कि आपको आपके सिवा कोई और सफलता नहीं दिला सकता।" हर विद्यार्थी यह अच्छी तरह जानता और मानता है कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। इलेक्ट्रिक बल्ब के आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने इसे अनेकों बार अपने नए-नए आविष्कारों से साबित किया है। देश-विदेश में ज्ञान- विज्ञान- कला- संस्कृति- राजनीति आदि हर क्षेत्र में इसके हजारों छोटे-बड़े उदाहरण मौजूद हैं। दिलचस्प बात यह है किजब कोई विद्यार्थी खुद को जानने समझने और तलाशने पर अपना ध्यान फोकस करता है तो उसे कई नई बातों का पता चलता है। गुण- अवगुण- शक्ति- क्षमता- संभावना- कमजोरियां इत्यादि खुद को तलाशने के क्रम में उन्हें अपने लक्ष्यों- सपनों को यथार्थ के तराजू पर अच्छी तरह तोलने का मौका मिलता है। ऐसे विद्यार्थी विचारों एवंकार्ययोजना के स्तर पर बिल्कुल स्पष्ट और फुलप्रूफ होते हैं। उन्हें लक्ष्य तक पहुंचने और अपने सपनों को साकार करने के लिए क्या-क्या करना पड़ेगा, उसकी रूपरेखा क्या होगी, कैसे उसे आगाज से अंजाम तक पहुंचाएंगे,यह सब उन्हेंबिल्कुल साफ और स्पष्टहोता है । विश्व विख्यात मैनेजमेंट गुरु डेलकार्नेगी ने स्टीवजॉब्स जैसे कई बड़े लोगों का उदाहरण देते हुए लिखा है कि अपने असल व्यक्तित्व को पहचानना बहुत जरूरी होता है।अक्सर इसके लिए यह पता लगाने की जरूरत होती है कि आप दरअसल हैं क्या ? इसके बाद उस ज्ञान के मुताबिक विस्तार पूर्वक मेहनत करने की जरूरत होती है।यह इतनी महत्त्वपूर्ण बात है कि इस पर शांति से चिंतन किया जाना चाहिए। खुद से ईमानदारी के साथ सदैव यह पूँछे कि मुझ में ऐसे कौन से गुण हैं जिन्हें लीडरशिप के गुणों में बदला जा सकता है।

प्रत्येक विद्यार्थी के लिए खुद को तलाशने के साथ-साथ खुद को तराशना भी जरूरी होता है। यह एक सतत प्रक्रिया है।आपको खुद को प्रूव करने के लिए इंप्रूव करना पड़ेगा अर्थात खुद को साबित करने के लिए खुद को उन्नत करना पड़ेगा। सोचिए जरा अगर कोई महान खिलाड़ी जैसे हिमा दास, अभिनव

बिंद्रा,पीवी सिंधु, विराट कोहली या कोई और खिलाड़ी रोज अपने को तराशे नहीं,अपनी परफार्मेंस इम्प्रूव न करें तो क्या खेल के शिखर तक पहुंचने और साल-दर-साल वहां अपना सिक्का जमाए रखने में कामयाब हो सकता है ? नहींन। खुद के प्रयासों तथा परिणाम की निरंतर समीक्षा भी करते रहना अत्यन्त आवश्यक है जिससे कि कमियों में निरंतर सुधार कर सकें। विद्यार्थियों को भी इसी सिद्धांत पर अमल करना चाहिए।

अंत हेनरीफ़ोर्ड का यह प्रेरक विचार अपने ह्रदय में धारण कर जीवन में निरन्तर अपनी उन्नति हेतु प्रयासरत रहना चाहिए कि पृथ्वी पर ऐसा कोई भी इंसान मौजूद नहीं है जो उससे ज्यादा न कर सके जितना कि वह सोचता है कि वह कर सकता है।

अनुपम भारद्वाज
स्नातकोत्तर शिक्षक(हिन्दी)
(प्रथम पाली)

संपादक की लेखनी से ....

बच्चों में बचपन से ही सीखने की प्रवृत्ति एवं ललक होती है। विद्यार्थी जीवन में यही सीखने की प्रवृत्ति साकार रूप लेना प्रारंभ कर देती है। वे लेखन, भाषण, कला, संगीत , नृत्य, गायन, वादन , विज्ञान , तकनीकि, खेल- कूद, आदि रचनात्मक गतिविधियों में रुचि लेना शुरू कर देते हैं । धीर धीरे अपनी पसंद के अनुसार शीखना शुरू कर देते हैं। इस कार्य में विद्यालय द्वारा वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली पाठ्य सहगामी क्रियाएं , खेल-कूद गतिविधियां, अध्ययन- अध्यापन क्रियाएं महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके साथ विद्यालय पत्रिका भी इनमें से एक सशक्त माध्यम है जो कला और साहित्य में रुचि जागृत करने में एक मील का पत्थर साबित होती है ।

पत्रिका में छात्राएं अपनी रचनाएं देखकर विशेष आनंद का अनुभव करते हैं। जब वे कविता, कहानी , संस्मरण , लेख , प्रश्नोत्तरी, प्रहसन, चुटकुले, चित्र आदि लिखकर पत्रिका में शामिल करने के लिए देते हैं , तब उनमें सृजन शीलता का आत्म विश्वास और खुशी का संचार होता है। उनमें साहित्यिक गतिविधियों में प्रतिभागिता करने का आत्मविश्वास जागृत होता है। इन गतिविधियों से छात्र छात्राओं में बहुमुखी विकास के साथ-साथ रचनात्मक कौशल का गुण निखरने लगता है। इस बहुमुखी विकास प्रक्रिया में उनके अभिभावक, प्राचार्य , शिक्षक और मित्र अहम भूमिका निभाते हैं। बच्चों के विकास में सामाजिक वातावरण और माहौल का गहरा प्रभाव होता है। पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं से बच्चों में सृजन शीलता के साथ नैतिक विकास का वह वातावरण प्राप्त होता है। हमें पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका 2022 का यह अंक बच्चों में सृजन शीलता, नैतिकता , चरित्र निर्माण के साथ - साथ उनका भरपूर मनोरंजन करा पाने में सफल रहेगी ।

शुभकामनाओं सहित ।

रामेन्द्र पाल
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)
(द्वितीय पाली)

VIBRATIONS OF UNIVERSE & ITS RELATION TO PAST, PRESENT & FUTURE

Law of vibration is one of the universal laws of nature. It simply says that - everything that contains matter, vibrates at a particular frequency. But when it comes to radiation or any type of energy in flow, does this law holds??

Let us try to seek an answer to our question-From the basic definitions of force fields & Feynman's diagram it can be said that all force fields are being mediated by virtual particles &since they are "particles" so there must be an vibrating frequency for them & consequentially for fields. Now due to dual nature these virtual particle must vibrate too even in their wave mode at a certain frequency for a given source.

Now if one seeks the recreation of an even, then all vibrations of that event must be re-collected to present moment of time river.

Since vibrations do exist independently of time & exist everywhere i.e, from quantum world to celestial world, so if do re-collect vibrations of an unknown but informed event,no matter when it happened or going to happen (such as planned events -motion of bodies which is predictable)then that event can be re-created in present or should I say we are in that event, future or past wherever???

But again, how can we collect vibrations of an event or how can we make something happen. I believe one must utilize the fact that frequency of one vibration tends to attract event-the collection of vibrations having same frequency. In order to know frequency of something that happened beyond one's time we must focus the particle consciousness of source onto the event ,no matter what the spatial or temporal separation is because conscious things can be connected to each other always…

Vishwajeet Sagar
PGT(Physics)
(First Shift)

INTERESTING WAY TO LEARN ENGLISH LANGAUGE

Choose the correctly spelt word.

1. a. Embarasnent b. Embarassment c. Embarrassment

2. a. Amacher b. Ameture c. Amateur

Choose the miss- spelt word.

3. . a. Mischeif b. Belief c. Grief

4. a. Assume b. Presume c. Cunsume

5. I have never met

P: friendly and hospitable people

Q: in your city,

R: I have met

S: like the one

Kolkata

a. PQRS b. PRSQ c. PSRQ

6. Yesterday, I chanced to meet

P: Where he lived

Q: and asked him

R: now in his seventies

S: an old acquaintance

and what he did for his living

a PQRS b. SRQP c. PSRQ

7. Foar in the mouth

a. To reveal the secret b. To be furious c. Frightened

8. To be at daggers drawn

a. To be frightened b. To be ready to face danger c. To be bitter enemy

9. People who show no signs of a given disease are

a. asymptomatic b. unsymptomatic c. unsympathetic

10. Which is most widespread

a. an outbreak b. an epidemic c. a pandemic

11. How high his Highness holds his haughty head. The figure is:

a. Onomatopoeia b. Alliteration c. Apostrophe

12. A person with symptoms of disease ………… that disease.

a. has b. may have c. cannot have

13. Who said, "If winter comes can spring lie far behind"?

a. Wordsworth b. PB Shelley c. Shakespeare

14. Who wrote the poem "On his Blindness"?

a. John Milton b. John Keats c. Wordsworth

15. Who is writer of "The merchant of Venice"?

a. PB Shelly b. John Keats c. Shakespeare

Answer Key:

1. (c)	**2. (c)**	**3. (a)**	**4. (c)**	**5. (b)**
6. (b)	**7. (b)**	**8. (c)**	**9. (a)**	**10. (c)**
11. (b)	**12. (b)**	**13. (b)**	**14. (a)**	**15. (c)**

Shalu

TGT (English)

(First Shift)

केन्द्रीय विद्यालय क्र.2 (आ.व.नि.),शाहजहाँपुर (प्रथम एवं द्वितीय पाली)

वार्षिक प्रगति विवरण–2021-22

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से संबद्ध केन्द्रीय विद्यालय संगठन शिक्षा के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाये हुए है। केन्द्रीय कर्मियों के पाल्यों को वरीयताक्रम में शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित संगठन के विद्यालय आज समाज के सभी वर्गों के नौनिहालों को सिंचित कर उन्हें आदर्श नागरिक बनाने के कार्य में लगे हुए हैं। इसी क्रम में **केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2 (ओसीएफ), शाहजहाँपुर** की स्थापना सन 1982 में हुई। लगातार प्रगति पथ पर अग्रसर रहते हुए वर्ष 2013 से विद्यालय दो पालियों में संचालित हो रहा है, जिसके अंतर्गत प्रथम पाली में 1654 तथा द्वितीय पाली में 895विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। सत्र 2021-22 में दसवीं कक्षा में प्रथम पाली से134 तथा द्वितीय पाली से 81 विद्यार्थी तथा बारहवीं कक्षा हेतु संचालित कला, वाणिज्य एवं विज्ञान वर्ग में कुल 191 विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में पंजीकृत थे।विगत दो वर्षों में कोरोना महामारी से जहाँ पूरा विश्व प्रभावित हुआ, हमने अपने सतत प्रयासों से शिक्षण प्रक्रिया को जारी रखा और दसवीं में 96.26 % तथा बारहवीं में 97.89 % परीक्षा परिणाम प्राप्त किया ।सत्र 2021-22 में द्वितीय पाली में भी बारहवीं विज्ञान वर्ग का यह पहला सत्र था, जिसका परीक्षा परिणाम शत - प्रतिशत रहा।**विद्यालय की प्रथम पाली से विज्ञान वर्ग में मास्टर अभिनंदन सिंह ने गणित और जीवविज्ञान विषय में अधिकतम 100 अंक प्राप्त करते हुए 97.8 % अंकों के साथ विद्यालय और लखनऊ संभाग में (विज्ञान वर्ग) पहला स्थान प्राप्त किया।बारहवीं मानविकी की छात्रा कु. वैष्णवी मिश्रा ने 96.8 % अंक प्राप्त कर मानविकी वर्ग में पहला स्थान प्राप्त करने के साथ ही लखनऊ संभाग में भी मानविकी वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। बारहवीं वाणिज्य वर्ग के छात्र मास्टर गोपाल सोमानी ने 96.2 % अंक प्राप्त कर विद्यालय में वाणिज्य वर्ग में पहला स्थान प्राप्त करते हुए लखनऊ संभाग में वाणिज्य वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त किया।** तीनों वर्गों से इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का संभाग स्तर पर शीर्ष में स्थान प्राप्त कर लेना विद्यालय परिवार के लिए अपार हर्ष का विषय है । हम आशा करते हैं कि हमारे विद्यार्थी हमें हर वर्ष इस तरह के सुखद पल प्रदान करते रहेंगे । बारहवींके बाद हमारे विद्यालय के विद्यार्थी देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों में लगातार प्रवेश पा रहे हैं; यह हम सबके लिए गर्व की बात है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की उद्देशिका के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु खेलकूद एवं स्काउट-गाइड की गतिविधियाँ विधिवत संचालित हो रही हैं। कोरोना महामारी के बाद विद्यालय, संभाग और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली लगभगसभी गतिविधियों को पुनः शुरू कर दिया गया है।

विद्यालय में दोनों पालियों में स्काउट-गाइड एवं कब-बुलबुल का मूवमेंटसक्रिय है जिसके अंतर्गत वर्तमान सत्र में प्रथम पाली में 65 स्काउट, 55 गाइड तथा 24 कब व 24 बुलबुल पंजीकृत हैं।द्वितीय पाली में 62 स्काउट, 42गाइड तथा 24 कब एवं 4 बुलबुल पंजीकृत हैं।

नई शिक्षा नीति - 2020 के अनुरूप विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु पाठ्यक्रम के साथ - साथ पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत निरंतर विविध प्रतियोगिताओं / कार्यक्रमों कालगातार आयोजन किया जा रहा है, जिनमें दोनों पालियों के विद्यार्थी बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग सुनिश्चित करते हैं।**नई शिक्षा नीति - 2020** में वर्णित **प्री-वोकेशनल कोर्स** के अंतर्गत विद्यालय कृषि एवं बागबानी को स्वीकारते हुए विद्यार्थियों को इसके लिए प्रशिक्षित कर रहा है।राजभाषा हिन्दी के प्रचार - प्रसार हेतु विद्यालय के सभी कर्मचारियों को अधिकाधिक कार्यालयी कार्य हिन्दी भाषा में सम्पादित करने हेतु निर्देशित एवं प्रोत्साहित किया जाता है। हिन्दी भाषा के उत्थान के लिए प्रति वर्ष विद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है, जिसमें सभी विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में पूर्ण उत्साह के साथ प्रतिभाग करते हैं।

समय - समय पर संगठन व भारत सरकार द्वारा प्राप्त निर्देशों के आधार पर विद्यालय में निरंतर विभिन्न कार्यक्रमआयोजित होते रहते हैं। इसके अंतर्गत विद्यालय में **आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजन,संस्कृत सप्ताह, स्वच्छता पखवाड़ा, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 'राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम' 'वन महोत्सव'**, **'एक भारत : श्रेष्ठ भारत'** के अंतर्गत साप्ताहिक आधार विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, **'पाठ्य सहगामी क्रियाओं'** के अंतर्गत वर्ष भर आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताएं 'रामकृष्ण मिशन' द्वारा कक्षा सातवीं, आठवीं व नौवीं के विद्यार्थियों के लिए **'जागरूक नागरिक कार्यक्रम'**,आदि में दोनों पालियों के विद्यार्थी उत्साह पूर्वक प्रतिभाग सुनिश्चित कर रहे हैं।

वर्तमान में श्री असद अली खान (प्रभारी प्राचार्य) के नेतृत्व मेंविद्यालय की प्रथम पाली में उप-प्राचार्य श्री विजय प्रकाश सहित 47 शिक्षक, 01 वरिष्ठ सचिवालय सहायक व 03 सहायक कर्मचारी तथा द्वितीय पाली में 31 शिक्षक, 01 कनिष्ठ सचिवालय सहायक व 01 सहायक कर्मचारी कार्यरत हैं ।विद्यालय में पहली से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर शिक्षक एवं प्रशिक्षकों द्वारा नियमित रूप से कंप्यूटर शिक्षण कार्य किया जा रहा है।वर्तमान में विद्यालय में 3 कंप्यूटर लैब, टाइप 1- 17 ई-कक्षाएं (इंट्रेक्टिव बोर्ड के साथ), टाइप 2- 5 ई-कक्षाएं (एप्पल आई पैड के साथ), 7 वाई-फाई ज़ोन तथा 104 कंप्यूटर सेट, 31 प्रोजेक्टर, 27 विसुअलाइज़र, 28 इंट्रेक्टर पैड, 5 आई पैडउपलब्ध हैं। विद्यालय भवन की संरचना के अंतर्गत भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान व जीव विज्ञान की व्यवस्थित प्रयोगशालाओं के साथ गणित एवं जूनियर विज्ञान प्रयोगशालाएं

भी हैं तथा पुस्तकालय में लगभग 18000 पुस्तकें उपलब्ध हैं।विद्यालय परिसर को विद्यार्थियों के अनुकूल करते हुए मुख्य स्टेज के पास से प्रथम तल पर स्थित कक्षाओं में जाने हेतु शरीरिक रूप से अक्षम विद्यार्थियों के लिए सीढ़ी रहित जीने का निर्माण किया गया है।विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सुरक्षा-एवं संरक्षा हेतु सभी प्रमुख स्थानों पर 48 सी.सी.टी.वी. कैमरे लगे हैं।

विद्यालय द्वारा समय – समय परशिक्षक – अभिभावक संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता रहा,जिसके माध्यम से विद्यार्थियों की प्रगति हेतु शिक्षकों और अभिभावकों के मध्य सामंजस्य बना रहा ।विद्यालयपरिवार के सभी सदस्यों का मूल उद्देश्य ऐसा सकारत्मक वातावरण बनाए रखने का है कि जहाँ विद्यार्थियों में मौलिक सृजनशीलता का स्तर सर्वोच्च हो ।

K.V NO.2 OCF SHAHJAHANPUR
CLASS XII

SHIFT WISE RESULT (SHIFT-1)

S.NO.	STREAM	REGISTRERD	APPEARED	PASSED	PASS %
1	SCIENCE	83	83	80	96.38
2	HUMANITIES	75	75	74	98.66
3	COMMERCE	33	32	32	100
	OVERALL	191	190	186	97.89

SHIFT WISE RESULT (SHIFT-2)

S.NO.	STREAM	REGISTRERD	APPEARED	PASSED	PASS %
1	SCIENCE	35	35	35	100

OVER ALL SCHOOL RESULT

S.NO.	STREAM	REGISTRERD	APPEARED	PASSED	PASS %
1	OVERALL	226	225	221	98.22

LIST OF TOPPER SCIENCE STREAM (SHIFT-1)

S.NO.	NAME OF THE STUDENT	TOTAL MARKS OBTAINED	% MARKS
1	ABHINANDAN SINGH	489	97.8
2	NIKHIL RATHAUR	467	93.4
3	ADITYA SINGH	465	93

LIST OF TOPPER COMMERCE STREAM (SHIFT-1)

S.NO.	NAME OF THE STUDENT	TOTAL MARKS OBTAINED	% MARKS
1	GOPAL SOMANI	481	96.2
2	ANUSHKA SAXENA	432	86.4
3	ADITYA SINGH	430	86

LIST OF TOPPER HUMANITIES STREAM (SHIFT-1)

S.NO.	NAME OF THE STUDENT	TOTAL MARKS OBTAINED	% MARKS
1	VAISHNAVI MISHRA	484	96.8
2	RIZIMA	454	90.8
3	ANANYA KANCHAN	448	89.6

LIST OF TOPPER SCIENCE STREAM (SHIFT-2)

S.NO.	NAME OF THE STUDENT	TOTAL MARKS OBTAINED	% MARKS
1	MANYA SHUKLA	477	95.4
2	SHRISHTI PAL	476	95.2
3	ANSHIKA SRIVASTAVA	462	92.4

K.V NO.2 OCF SHAHJAHANPUR
CLASS X

RESULT

S.NO.	SHIFT	REGISTRERD	APPEARED	PASSED	PASS %
1	I	134	134	129	96.26
2	II	81	80	74	92.5
OVERALL		215	214	203	94.8

LIST OF TOPPER (SHIFT-1)

S.NO.	NAME OF THE STUDENT	MARKS OBTAINED	% MARKS
1	ARYAN GUPTA	480/500	96
2	SHYAM RATHAUR	474/500	94.8
3	TANISHKA SAXENA	470/500	94

LIST OF TOPPER (SHIFT-2)

S.NO.	NAME OF THE STUDENT	TOTAL MARKS OBTAINED	% MARKS
1	SHRAYESHTHA SINGH	460/500	92
2	PRAKHAR SUDAN	459/500	91.8
3	LAKSHYA SINGH	459/500	91.8
4	KUSHAGRA	455/500	91

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक.2ओ. सी. एफ. शाहजहाँपुर

परीक्षा परिणामसत्र2021-22

कक्षा 12वीं में संकायवार सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

अभिनंदन सिंह
12वी विज्ञान(97.8)

गोपाल सोमानी
12वी वणिज्य(96.2)

वैष्णवी मिश्रा
12वी मानविकी(96.8)

कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी

मान्या शुक्ला
12वी विज्ञान(95.4)

श्रृष्टि पाल
12वी विज्ञान(95.2)

निखिल राठौर
12वी विज्ञान(93.4)

आदित्य सिंह
12वी विज्ञान(93.0)

अंशिका श्रीवास्तव
12वी विज्ञान(92.4)

रिज़िमा
12वी मानविकी (90.8)

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक.2ओ. सी. एफ. शाहजहाँपुर

परीक्षा परिणामसत्र 2021-22

कक्षा 10वी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी

प्रथम पाली

आर्यन गुप्ता
10वी (96.0)

श्याम राठौर
10वी (94.8)

तनिष्का सक्सेना
10वी (94.0)

द्वितीय पाली

श्रयेष्ठ सिंह
10वी (92.0)

प्रखर सुदन
10वी (91.8)

लक्ष्य सिंह
10वी (91.8)

कुशाग्र
10वी (91.0)

हिन्दी अनुभाग

हिन्दी अनुभाग

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
	प्रथम पाली	
1	भ्रष्टाचार	1
2	समय/ नन्हीं चिड़िया	2
3	नारी सशक्तिकरण कविता	3
4	सुविचार/ पापा	4
5	बचपन की यादें	5
6	किताब हूँ मैं	6
7	हँसना और हँसाना अच्छा/ शिक्षक	7
8	एक सवाल/ बस यूँ ही !...	8
9	बाज़ार देह/ राष्ट्रभाषा	9
10	परमात्मा/ ऐसा हो स्कूल	10
11	शिक्षक-शिक्षा का सागर/ चुटकुला	11
12	शिक्षा	12
13	जिन्दगी की दौड़	13
14	ग़ज़ल/ 'ई'की गलती	14
15	विद्यालय पत्रिका/ मेरा अरमान..	15
16	वृक्ष - धरती की संतान /योग का महत्व	16
17	प्रकृति/ मां...	17
18	बाबा साहब/ सर्वोपरि धर्म	18
19	अरमान यही../जीवन की अनमोल कड़ी/ आज भी	19
20	मेरे जीवन का लक्ष्य/ प्रकृति का संदेश/ मेरा अरमान	20
21	कोरोना / तिरंगा	21
	द्वितीय पाली	
22	हमारी प्रतिबद्धता- (एक वादा बच्चों से)	22
23	कविता- लापरवाही/ कविता-मन	23
24	कविता- मेघालय/ कपटी बाज	24
25	माँ/ शिक्षक	25
26	कविता - नीले पंखों वाली चिड़िया/ कविता	26
27	कविता: "काम हमारे बड़े-बड़े"/ अलविदा दोस्तों कह गया	27
28	क्या लड़की होना पाप है ??/ हमारे प्रधानाचार्य	28
29	कविता- समय का मूल्य/ स्कूल - लाइफ़	29
30	बचपन....../ काश जिंदगी सचमुच किताब हो तो.	30
31	पहचान जिंदगी की..../ प्यारा-प्यारा देश है मेरा	31
32	हम भी कभी इंसान थे.../ कहानी	32
33	सत्य की राह/ चुटकुला/ कविता: झंडा	33
34	चुटकुले/ वक्त	34
35	माँ पर कविता/ ईमानदारी का ईनाम	35
36	कविता- क्लास मॉनीटर	36

(प्रथम पाली)

भ्रष्टाचार

भारत की कहानी सुनो मेरी जुबानी
एक तरफहैसूखा एक तरफ है पानी
कश्मीर से कन्याकुमारी,
कच्छ सेकामाख्या तक फैली आबादी
न किसी को किसी की परवाह यही है,
सबकी बीमारी।

रिश्वत - कालाबाजारी ये तो है छोटे
कारनामे ।
पेंशन बड़े-बड़े घोटाले ये है, उनकी
बलिहारी ।
छोटे छोटे नेताओं में भी हैं, पैसों की मारामारी |
ये देश को न बेच खा जाएँ लगता है,
ये है कभी न खत्म होने वाली बीमारी
छोटे- छोटे घोटाले तो बहुत हुए पर
बड़े घोटाले में सबसे ऊपर है कलमाड़ी|
खाते थे अभी तक ये जनता के पैसे
कहीं खा न जाए ये देश की प्रतिभा सारी ।

जागो युवा वर्ग जागो
कल तक था इनका जमाना,
अब है भारत के युवा शक्ति की बारी
नए राष्ट्र और नए विश्वास को जागृत कर ।
विकसित भारत को बनाना है,
यही है भावी पीढ़ी की जिम्मेदारी |

शोभा गुप्ता
(योग प्रशिक्षिका – संविदा)

समय

समय मनुष्य को आज़माता है,
कभी हमारे पास लाता है कुछ
तो कभी हमसे कुछ दूर ले जाता है,
कभी किसी रोज मिल जाती हैं सारी खुशियाँ
तो कभी हमसे कोई अपना बिछड़ जाता है,
किसी को मिल जाती है जीने की नई राह
तो कोई ज़िंदगी जीना भी भूल जाता है,
समय मनुष्य को आज़माता है।

अमनवर्मा
दसवीं अ

नन्हीं चिड़िया

चिड़िया-चिड़िया ओ छोटी चिड़िया
तुम कितनी हो भोली चिड़िया,
खाती नीम निबौरी क्यों हो?
तुम कितनी हो प्यारी चिड़िया।
करती हो बातें इतनी
फिर क्यों शर्माती हो,
आकर अपने पिंजरे में
चुपचाप सो जाती हो
ओ चिड़िया तुम कितनी प्यारी
तेरी सूरत कितनी न्यारी
ओ भोली-सी नन्ही चिड़िया
तुम्हें प्रकृति से बहुत प्यार है
नन्ही-भोली प्यारी-चिड़िया
ओ नन्ही चिड़िया।

दर्शवार्ष्णेय
सातवीं ब

नारी सशक्तिकरण कविता
"जगत जननी नारी"

उतारो मुझे जिस क्षेत्र में
सर्वश्रेष्ठ कर दिखाउंगी
औरों से अलग हूँ दिखने में
कुछ अलग करके ही जाऊँगी।
चाह नहीं है एक अलग नाम की
इसी को महान बनाउंगी
नारी हूँ मैं इस युग की
नारी की अलग पहचान बनाउंगी
जो सदियों से देखा तुमने
लिपटी साड़ी कोमल तन को,
घर-घर में रहती थी वो
पर जान न सके थे उसके मन को

झुकी हुई सी नज़रें थी
वाणी मध्यम मधुर-सी थी
फिर भी वो तानों की आवाज प्रबल थी
हिम्मत न थी उफ़ करने की
अब बदल गयी है ये पहचान
नारी की साड़ी न परिभाषा
वाणी अभी भी मध्यम मधुर-सी
पर कुछ कर गुजरने की है, प्रबल-सी
आशा।

चाहे जो भी मैं बन जाऊँ
गर्व से नारी ही कहलाऊंगी
चाहे युग कोई-सा आये
मैं ही जगत-जननी कहलाऊंगी।
दुनिया के इस कठिन मंच पर
मैं भी एक प्रदर्शन दिखलाऊंगी
कठपुतली नहीं किसी खेल की
अब स्वतंत्र मंच कर पंचम लहराउंगी।

प्रिया
कक्षा-दसवीं अ

सुविचार

कोई भी सफल व्यक्ति हमेशा
नया सीखने की चाह रखता है
जबकि एक असफल व्यक्ति
कुछ नया सीखने से डरता है।

करिश्मा
कक्षा-दसवीं अ

पापा

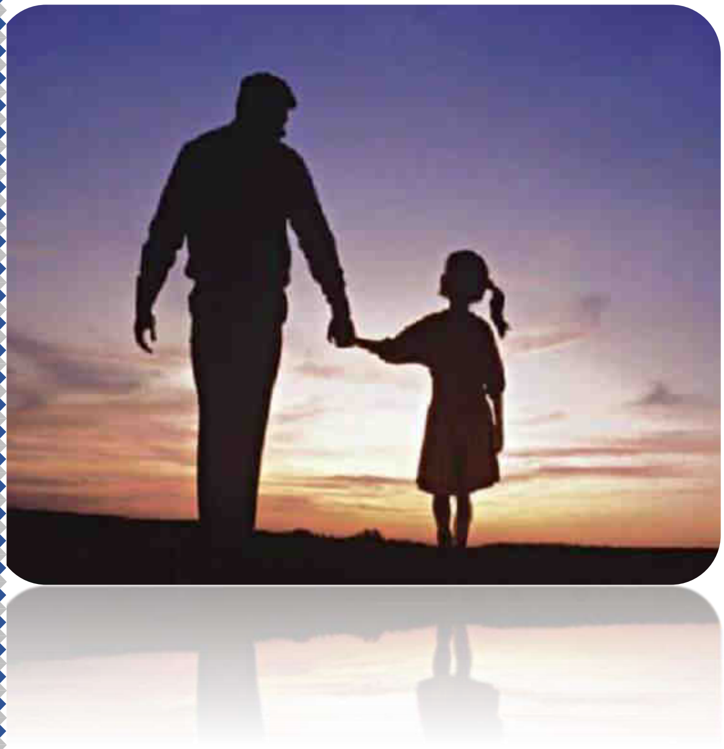

हर घर में होता है वो इंसान
जिसे हम पापा कहते हैं।
सभी की खुशियों का ध्यान रखते हैं
हर किसी की इच्छा पूरी करते हैं।
खुद होकर गरीब हम बच्चों को अमीर बनाते
जिसे हम पापा कहते हैं।
करते बड़ों की सेवा, भाई बहनों से रखते लगाव
देते पत्नी को प्यार, बच्चों को दुलार
खोलते सभी ख्वाहिशों के द्वार
जिसे हम पापा कहते हैं।
बेटी की शादी, बेटे को मकान
बहुओं को खुशियाँ, दामादों को मान
कुछ ऐसे ही सफ़र में गुजारे वो हर शाम
जिसे हम पापा कहते हैं।

करिश्मा
कक्षा-दसवीं अ

बचपन की यादें

वो बचपन था निराला-सा,
सब थे अपने न था कोई पराया सा,
न थी कोई फिक्रें न थी कोई जिम्मेदारी
सब कुछ था खुशनुमा-सा ,
सब थे अच्छे, बुरा न कोई दिखता था
सब ये अपने, पराया न कोई लगता था
सुकून की थी ज़िंदगी
काम भी न कोई आ पड़ता था !

खेलना ही हमारी ज़िंदगी थी
दोपहर की धूप हमें न दिखती थी
मम्मी डांटे, पापा डांटे
लेकिन हमारी अकल में कोई बात कहाँ टिकती थी !
प्यार हमें सब करते थे
लाड हमें सब करते थे
छोटे थे न
तभी तो हमारी ख्वाहिशें पापा पूरी करते थे !

वो बचपन भुला न पाएंगे
वो दिन भी सभी को याद आएंगे
जब भी याद करेंगे उन दिनों को हम अपने
तब-तब हमारी आँखों में आंसू जरुर भर आएंगे।

सैयद मो. हुमाम
कक्षा-दसवीं ब

किताब हूँ मैं

रख सको तो एक निशानी हूँ मैं
खो दो तो सिर्फ एक कहानी हूँ मैं
रोक ना पाए जिसको ये सारी दुनिया
वो एक बूंद आँख का पानी हूँ मैं ....
सबको प्यार देने की आदत है हमें
अपनी अलग पहचान बनाने की आदत है हमें
कितना भी गहरा जख्म दे कोई
उतना ही ज्यादा मुस्कुराने की आदत हैं हमें....

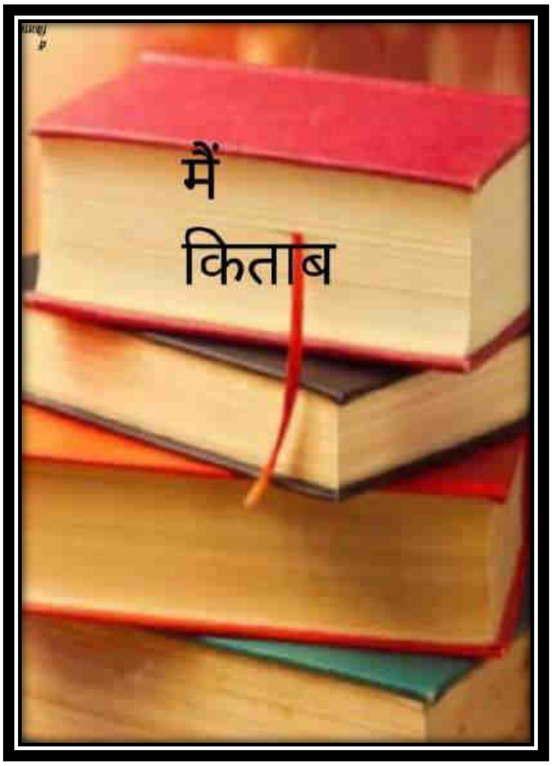

इस अजनबी दुनिया में अकेला ख्वाब हूँ मैं
सवालों से खफा छोटा सा जवाब हूँ मैं
जो समझ ना सके उनके लिए ["कौन"]
जो समझ गए उनके लिए खुली किताब हूँ मैं !
आँख से देखोगे तो खुश पाओगे
दिल से पूछोगे तो दर्द का सैलाब हूँ मैं,
अगर रख सको तो एक निशानी हूँ मैं,
खो दो तो सिर्फ एक कहानी हूँ मैं।

शिवानी गुप्ता
कक्षा-दसवीं ब

हँसना और हँसाना अच्छा

हँसना और हँसाना अच्छा।
सबसे प्रेम खजाना अच्छा॥
सुख में साथ निभाते सब,
दुःख में साथ निभाना अच्छा।
घर बैठने से कुछ न मिलेगा,
आगे कदम बढ़ाना अच्छा।
प्रश्न कठिन हो कितना भी,
उसके हल तक जाना अच्छा।
राह के कांटो से मत घबराना,
मंजिल तक जोर लगाना अच्छा।
गली-गली बीमारी का डर,
बचना और बचाना अच्छा।
हर मजहब है जान से प्यारा,
सबको गले लगाना अच्छा।

अपर्णा बाजपेयी
कक्षा-दसवींअ

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाये।
माता-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी न रहा दूर मैं जिससे,
मेरा पथप्रदर्शक वह है जो।
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।
कभी है शान्त, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रही ये इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

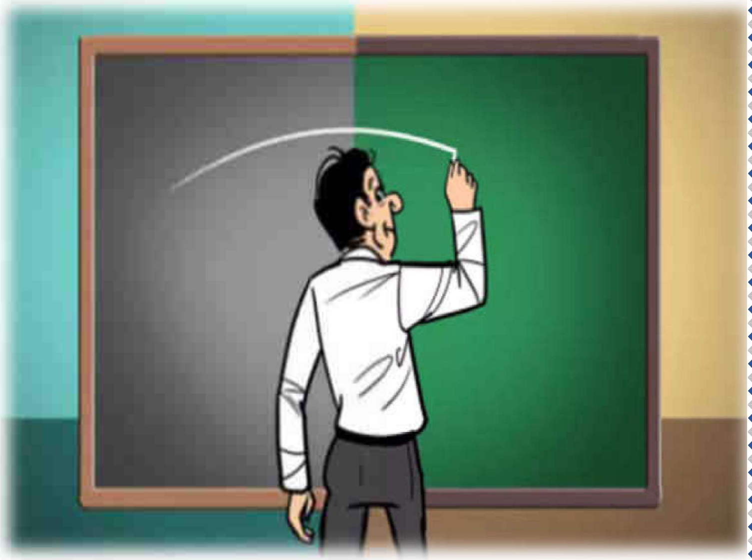

निखिल सक्सेना
कक्षा-दसवीं ब

एक सवाल

आओं पूछें एक सवाल !
मेरे सर में कितने बाल ?
कितने आसमान में तारे ?
बतलाओ या कह दो हारे !
नदियाँ क्यों बहती दिन-रात ?
चिड़ियाँ क्या करती हैं बात ?
क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाए ?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए ?

फूल कहाँ से पाते रंग ?
रहते क्यों न जीव सब संग ?
बादल क्यों बरसाते पानी ?
लडके क्यों करते शैतानी ?
नानी की क्यों सिकुड़ी खाल ?
अजी, न ऐसा करो सवाल !
यह सब ईश्वर की माया है,
इसको कौन जान पाया है ?

अनुष्का चौहान
कक्षा-दसवीं ब

बस यूँ ही !...

अर्धरात्रि चन्द्र की राह,
जीवन में बस यूँ ही कुछ पाने की चाह !
सूर्य की किरणें साथ चले,
आ जा आज बस यूँ ही कुछ बात करें !
संग कोकिला गाती है,
राग-सरगम बस यूँ ही बजती जाती है !
वृक्ष बारिश के गुण गाता है,
बस यूँ ही अपनी बात सुनाता है !
आजा चल साथ चलें,
बस यूँ हीं कुछ बात करें !!

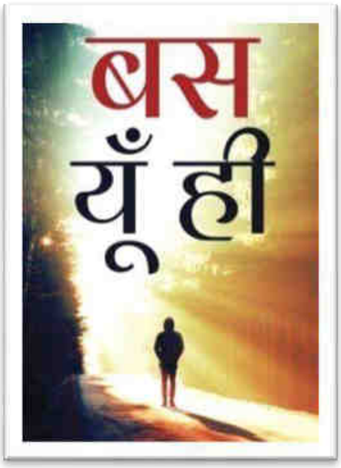

आर्यन महेंद्र
कक्षा-बारहवीं अ

बाज़ार देह

बाज़ार देह हैं
जरूरतें जहरीली जीभ सी उछलती हैं
छोड़ती है विष लालसा का
नुकसान कराती हैं, टूटती
सांसों का,
दौड़ते पांव हैं अंतहीन रेस
में,
थके हुए घुटने
लड़खड़ाकर गिरते है तब
भी !
और

देह बाज़ार हैं
निष्ठा बिकती है लाभ के दम पर
जरूरतें तराजू हैं
विश्वास खोटा सिक्का
नहीं चलती संवेदनाएं, अनुभूतियाँ
और दो कौड़ी का त्याग
उठाना नहीं चाहता देह
नुकसान संयम का,
तोल-मोल कर नापना
देह बाज़ार में पैठ बनाता
बन जाता है अंततः बाज़ार वह !

अदीबा
कक्षा बारहंवी स

राष्ट्रभाषा

वो कौन है जो राष्ट्र को
एकता और अखंडता की नींव प्रदान करती है
वो कौन है, जो एक दूसरे का संपर्क बनाये रखती है,
वो कौन है, जो भावनाओं का आदान-प्रदान करती है।
यह भाषा के रूप में नारी है, यह भाषा हिंदी हमारी है।
लाओ संविधान में सुधार, सब बढाओ हिंदी से प्यार

जिसमें होगी हिंदी की चाहत
वही बनेगा आज का नायक
मातृभूमि की वह दुलारी है
यह भाषा हिंदी हमारी है।
विदेशी जब मेहमान बन आये
हिंदी में ही आदर पाए
और जब विदेश में हम जाएँ
हिंदी का ही मान बढ़ाएँ।
भूला हुआ सबक याद दिलाएँ
मिलकर राजभाषा के गीत गाएँ
जिस पर ज़िंदगी वारी है
वह भाषा हिंदी हमारी है।

हर्ष गोस्वामी
कक्षा बारहंवी ब

परमात्मा

मन को निराश मना करो
बस ईश्वर पर विश्वास करो
हर पल साथ हैं वो तुम्हारे
इस बात है एहसास करो
जब भी अकेलापन महसूस करो
ईश्वर का तुम याद करो
जब भी लगे हार रहे हो
ईश्वर का तुम याद करो
जिसने है संसार बनाया
सूर्य चन्द्रमा को सजाया
पर्वत वृक्ष बनाये उसने
मन को है प्रसन्न कराया
उसके बिन सब कुछ हैं अधूरा
कण-कण में है वह समाया
वह चाहता है तुम पहचानों
अपने हृदय पर ध्यान डालो
पाओगे तुम परमात्मा को अपने निकट
बस खुद पर विश्वास करो

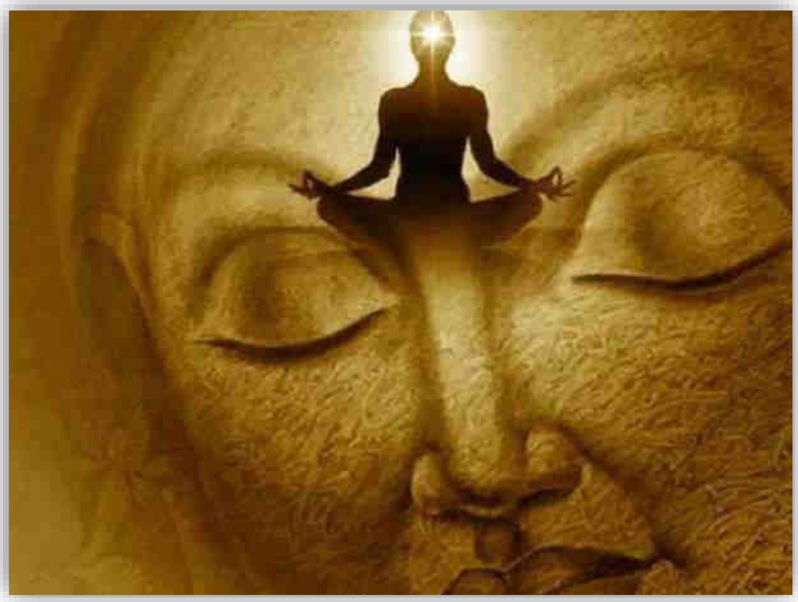

मेहरीन वारसी
कक्षा-बारहंवी अ

ऐसा हो स्कूल

ऐसा हो स्कूल हमारा, ऐसा हो स्कूल
जैसे है अपना घर प्यारा, वैसा हो स्कूल !
क्लास रूम में बैठे हम, दुनिया का नक्शा समझे,
सीधी-सरल पढाई को, क्यों भरी बक्सा समझे !
खुशियों का छुटे फव्वारा, वैसा हो स्कूल !
नन्हीं जेबों में हम भर लें, सूरज,चाँद सितारे !
चटपट हमें याद हो गए, गिनती और पहाड़े ।
बिस्कुट ज्यों, कुरकुरा करारा, वैसा हो स्कूल !
चुपके से बसते में रख दें, कलम, किताबे, कॉपी,
सपना दे आँखों को, मुह को मीठा-मीठी टॉफ़ी ।
नए सवेरे का हरकार, वैसा हो स्कूल ।

शिवांगी
कक्षा-बारहंवी अ

शिक्षक-शिक्षा का सागर

शिक्षक हैं शिक्षा का सागर,
शिक्षक बाँटे ज्ञान बराबर,
शिक्षक की हो मन्दिर जैसी पूजा,

शिक्षक माता- पिता का नाम है दूजा
प्यासे को जैसे जैसे मिलता पानी,
शिक्षक है वही जिन्दगानी

शिक्षक न देखे जाँत - पाँत,
शिक्षक न करते पक्ष - पात,
निर्धन हो या धनवान,
शिक्षक को सब एक समान

शिक्षक मांझी नाव किनारा,
शिक्षक है डूबते का सहारा
शिक्षक का है सदा ही कहना
श्रम - लगन है विद्यार्थी का सच्चा गहना

मिली मौर्य
XII – B

चुटकुला

टीचर: 1 से 10 तक गिनती सुनाओ
संता - 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9,10
टीचर : 6 कहाँ है?
संता :- जी वो मर गया !
टीचर : मर गया ? कैसे मर गया ???
संता: जी मैडम, आज सुबह T.V.
पर न्यूज में बता रहे थे।
कि कोरोना से 6 की मौत हो गई ......

कुमार आरव
कक्षा 6 स

शिक्षा

शिक्षा का महत्त्व स्वयं से ही,
प्रतिपादित होता है
शिक्षा के बिना मानव जीवन ही,
अपूर्ण सा रहता है।
मानव ही क्यों पशु-पक्षी भी
माँ से शिक्षा पाते हैं।
शिक्षण के दौर से गुजर कर
ही,
पूर्ण वयस्क बन पाते हैं।
बच्चे शिक्षा पाकर ही
'अच्छे मनुष्य बन पाते हैं
बिना पढ़े योग्य होकर भी,
विकास नहीं कर पाते हैं।
लेकिन प्रथम गुरु तो माँ ही हैं,
पर विद्यालय शिक्षा स्थल हैं।
तन मन बुद्धि का विकास कर,
देता सबको संबल हैं
केवल विद्या अर्जन करना ही,
प्रथम अवस्था का धन है
इससे ही आगे चलकर के,
बनता सबका जीवन है

जितना विकास हम देख रहे,
यह सब शिक्षा का फल हैं,
विद्या का बल ही जीवन है.
सबसे उत्तम सच्चा बल है
पर शिक्षा भी ऐसी हो,
जो उपयोगी हो जीवन में।
नैतिकता परोपकार सहित,
हमें लगाएं पर सेवा में
ज्ञानार्जन करना ही,
शिक्षा का उद्देश्य सही
केवल भोगों का संचय
करना,
शिक्षा का उद्देश्य नही
आज शिक्षा ने ही मानव को
उन्नति शिखर पर पहुँचाया है
अब तक का सारा विकास,
शिक्षा से ही आया है
आचार्य चाणक्य का कथन
आदर्श हमारे जीवन का
विद्या हीनं न शोभन्ते,
गन्धा इव किंशुका

अंशिका
XII –अ

जिन्दगी की दौड़

जिन्दगी की दौड़ में हम बस दौड़े जा रहे हैं,
पर खुद की क्षमताओं को, न पहचान पा रहे हैं,
खो गई हैं राहे, बीच मझधार में हमारी,
क्योंकि हम अपनी क्षमताओं से परे जा रहे हैं।

आज जिन्दगी एक चुनौती है,
ज़िन्दगी जीना कोई बड़ी बात नहीं,
पर खुद को यादगार बनाना एक चुनौती हैं,
लेकिन इन चुनौतियों की स्वीकार करें हम |
एकाग्र करे मन को, और विचार करें हम,
ढूंढ़े गलतियों को और सुधार करे हम
मिलेगी मंजिल है ये विश्वास
अगर खुद को सँवार सकें हम |

इच्छाएं बढ़ाना बुरी बात नहीं
पर उसके अनुरूप ढलना एक चुनौती है,
नहीं डरें, दुनिया से क्योंकि हम हैं निडर
करें हम मेहनत बस कुछ इस कदर,
दिखा दें अपनी क्षमताएं, दुनिया को,
दबे नहीं बस खुलकर जिसे हम |

क्योंकि क्या कर लेंगे ये दुनिया वाले, जिन्दगी हैं हमारी,
ये आसमां और ये जमी हैं हमारी
बस कुछ यूँ समझ लो कि अब बारी हमारी हैं,
बस हर चुनौती की घड़ी, जिन्दगी में घर कदम पे आनी है ।

नाम :शिवानी राजपूत
कक्षा – 12. C

ग़ज़ल

चंदा जैसी रोटी को खाने की जिद पाले हैं।
इंसा लार टपकती है कितनी लंबी जीभ निकाले हैं.
बिजली के नंगे तारों का खौफ दिलों में बैठा है
इस का कीमत पर ही आंखों ने देखे आज उजाले हैं।
नर्म रोटियां सिर्फ अमीरों के हिस्से में आई हैं।
गुखत चूल्हे पर तो बस पत्थर गये उछाले हैं
ईमां की कश्ती पर बैठे कुछ ही माझी ऐसे हैं
दौलत के बहते दरिया में जो पतवार संभाले हैं ।
पैदा होते हम कागज के पैर लिए तो अच्छा था ।
इस दुनिया में सब कागज पर सड़क बनाने वाले हैं।
इंसा की काली करतूतों से गाफिल यूँ लगता है।
आने वाले दिन पावस की रातों से भी काली हैं।

सोनाक्षी तिवारी
कक्षा XII स

'ई'की गलती

विधाता ने मुझको बनाया था जिस दिन
वो धरती पे भूचाल आया था उस दिन
मुझे देख सूरज को गश आ गया था
मेरे रूप से चांद चकरा गया था,
तारीफ अपनी करूं या खुदा की
जो तकदीर के लेख लिखने थे बाकी
लिखा था की ये कोई लीडर बनेगी
वकालत करेगी ये प्लीडर बनेगी
कशीजीन घोड़ों की मालिक बनेगी
ये लाखों करोड़ों की मालिक बनेगी
सभी वार ही इसके हक मे हों अक्सर
हो मंगल बृहस्पति था शुक्र, शनिश्चर
पड़ा लेख मैंने विधाता का लिखा
शनिश्चर मे ई था गलत उसने लिया

वो बोला अरे क्यों तर्क कर रही है
बड़ी-छोटी ई मे फरक कर रही है
अभी से ही जो इतनी हिम्मत है तेरी
जो लिखने में गलती पकड़ती है मेरी
करेगी न जाने तू क्या जन्म पाकर
मेरी पोल खोलेगी दुनिया में जाकर
तेरे भाग्य को मैं तो चमका रहा था
शनिश्चर से इतवार तक आ रहा था.
मगर अब जो तू कह ही रही है वही
कर रहा हूँ
ई की गलती सही कर रहा हूँ
सही करके लिखता हूँ अब तेरे सर पर
शनिश्चर, शनिश्चर, शनिश्चर, शनिश्चर |

नाम - साहिल बाजपेई
कक्षा x - -बी

विद्यालय पत्रिका

मेरे विद्यालय का नाम केन्द्रीय विद्यालय स्कूल है । मेरा विद्यालय बहुत बड़ा है और भव्य है । यह एक आदर्श, विद्यालय है। यह दो मंजिल ऊँचा है और इसकी इमारत बहुत ही सुंदर है। एक बड़ा सा कंप्यूटर कक्ष और स्टाफ रूम है। मेरे विद्यालय मे लगभग एक हजार विदयार्थी पढ़ते हैं। अध्यापक-अध्यापिकाओ की संख्या सौ हो सकती है । शिक्षा के मामले मे मेरा विद्यालय शहर में अग्रणी स्थान रखता है। प्राय: सभी विदयार्थी अच्छे अंको से पास होते है । मेरे विद्यालय मे खेल-कूद पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। हमारे प्रधानाचार्य प्राय: निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, संगीत और नृत्य कार्यक्रम और भाषण प्रतियोगिताओ का आयोजन करते रहते हैं । मेरे विद्यालय में सब कुछ व्यवस्थित, अनुशासित, सहयोगपूर्ण, एवं आमोदपूर्ण है । मुझे अपने विद्यालय से बहुत प्यार है।

नाम - आयुष कुमार
कक्षा–6-C

मेरा अरमान..

स्वर सीखे व्यंजन सीखे
सीखा गुरु से ज्ञान
माता से प्यार सीखा
पिता से सम्मान।
जीवन पथ पर मैं बढ़ूँ ,
मांगू गुरु से वरदान
मेरा विद्यालय आगे बढ़े
है यही अरमान ।
प्रगति करें सब विद्यार्थी
और बने महान
विद्यालय की हो प्रगति सदा,
बढ़े सदा ही मान।
मैं यहां का विद्यार्थी,
मेरा यही अरमान....

अभिनन्दन सिंह
बारहवीं) विज्ञान वर्ग(

वृक्ष - धरती की संतान

काट रहे हो तुम वृक्षों को कुछ भी नहीं विचार किया,
वृक्षों ने जो कुछ भी पाया उसे हमीं पर वार दिया।
इतना बड़ा हमारा जग है, क्षरण यहां स्वीकार नहीं।
वे भी जीव इसी जग के हैं, जीना क्या अधिकार नहीं ?
फल और फूल दिए हैं इसने, राही को भी छांह है दी,
जो कुछ भी पाया वृक्षों ने, उसे हमीं पर वार दिया।
शिक्षा हमें कहां ले जाती,नैतिक यदि आधार नहीं,
माना युग भी बदल रहा है,पर इतना अनुदार नहीं।

भूमि यहां उर्वर है,
नैतिकता विश्वास दिया,
वृक्षों ने जो कुछ भी पाया उसे हमीं पर वार दिया।
पेड़ बिना जीवन संभव क्या, समझ ना पाता कोई क्यों।
सूरज की किरणों में तपकर देते छांव हमें बरसों।
व्यक्त नहीं कर सकता कोई हम पर जो उपकार किया,
वृक्षों ने जो कुछ भी पाया उसे हमें पर वार दिया।

रीमा गुप्ता 7 C

योग का महत्व

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को सदा स्वस्थ बनाए रखने के लिए योग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन नियमित योगाभ्यास करना चाहिए। फलतः शरीर निरोग रह सके। अष्टांग योग के अंतर्गत - नियम, संयम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा और समाधि का निर्धारित समय पर योगाभ्यास करके प्रफुल्लित शरीर से कार्य करना चाहिए। योगासन से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहता है, बल्कि योग का मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। योग नियमित करने से शरीर में स्फूर्ति, मन में उल्लास तथा कार्य करने का उत्साह बना रहता है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को योग दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें विभिन्न स्थानों पर करोड़ों लोग योगाभ्यास करके स्वास्थ्य लाभ लेते हैं। योग से शरीर में नवीन ऊर्जा व कांति का संचार होता है। फलस्वरूप विभिन्न बीमारियां, जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा आदि गंभीर एवं असाध्य बीमारियों से मुक्ति मिलती है। अतः इन समस्त बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए योग के महत्व को स्वीकार करके स्वयं एवं समस्त परिवार व समाज के जनों को नियमित योगाभ्यास करते रहना चाहिए ।

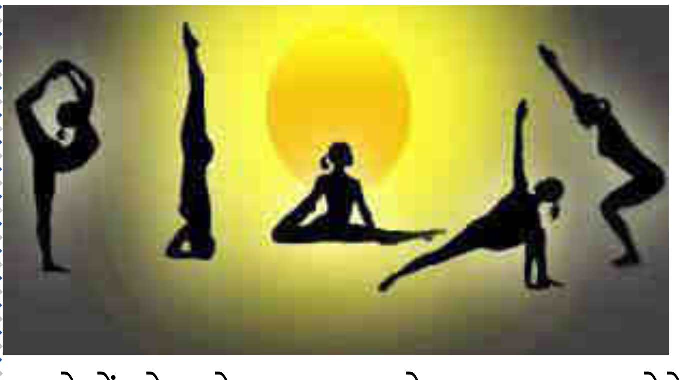

स्वप्निल राजपूत 9 B

प्रकृति

हरे हरे खेतों में, बरस रही हैं बूंदें।
खुशी-खुशी से आया सावन,
भर गया है मेरा आंगन।
ऐसा लग रहा है जैसे, मन की कलियां खिल गईं
वैसे।
ऐसा कि आया बसंत, लेकर फूलों की सुगंध।
धूप से प्यासे मेरे तन को
बूंदों ने दी ऐसी अंगड़ाई, कूद पड़ा मेरा तन-मन,
लगता है हूं बहती पवन।
है यह संसार कितना सुंदर,
इसी लिए है यही निवेदन,
करो न प्रकृति का अब शोषण।

आशुतोष गुप्ता
8 B

मां...

घुटनों से रेंगते-रेंगते
कब पैरों पर खड़ा हुआ
तेरी ममता की छांव में जाने कब मैं बड़ा हुआ
मां तुम मुझे खाना खिलाती
और अपनी गोद में बड़े प्यार से सुलाती।
जब मुझे कभी नींद नहीं आती
तो मीठी-मीठी लोरी सुनाती।
जब भी मैं कभी आपसे दूर जाता
ऐसा हुआ नहीं कभी भी कि आपका चेहरा मुझे
याद नहीं आता
हर कदम पर साथ देती है तू मेरा
मैं भी हमेशा हाथ पकड़कर चलना
चाहता हूं तेरा
मां मेरे जीवन में आप की छवि हमेशा
बनी रहे
आपका आशीर्वाद
हमेशा मेरे साथ रहे।

आर्यन सेठ 7 B

बाबा साहब

उन पर कुछ लिखूं तो कम लगने लगता है ख़ुद का ज्ञान,
बाबा साहब भीमराव अंबेडकर हस्ती ही हैं इतनी महान।
उनकी कलम की ताकत देखकर नतमस्तक है सारा जहान।
बहुत मुसीबतें देखी हैं जिसने और झेले हैं अनगिनत अपमान,
फिर भी अनवरत चलता रहा, अपने कर्म पथ पर वह महान इंसान।
'हर इंसान को मिले सम्मान' रचित किया एक ऐसा ग्रंथ संविधान,
जिस पर टिक कर खड़ा हुआ है सबसे बड़ा लोकतंत्र 'हिंदुस्तान'।
सबके दिलों से ऊंच-नीच का भेदभाव मिटाया,
सबको सम्मान से जीना सिखाया।
सबको शिक्षा का मार्ग दिखाया,
अपने लिखे संविधान से अपने देश को फिर से दुनिया का सिरमौर बनाया।

अदिति पाल 8B

सर्वोपरि धर्म

भगवान बुद्ध का पावन संदेश जापान तक पहुंच चुका था। जापान के लाखों नागरिकों ने बौद्ध मत ग्रहण कर लिया। जापान के विद्वान तेत्सुजेन ने भगवान बुद्ध से संबंधित ग्रंथों को जापानी भाषा में अनूदित कर प्रकाशन की योजना बनाई। भगवान बुद्ध के अनुयायियों ने लाखों डॉलर एकत्र कर उन्हें सौंप दिए। इसी बीच जापान की यूजी नदी में बाढ़ आई। बाढ़ से असंख्य जापानी बेघर हो गए। तेत्सुजेन ने ग्रंथों के प्रकाशन के लिए संग्रह की गई राशि पीड़ितों की सेवा में खर्च कर दी। कुछ धनिक जापानियों ने तेत्सुजेन को उलाहना देते हुए कहा, आपने बौद्ध ग्रंथों के लिए जुटाई गई राशि अन्य कामों में खर्च क्यों की ? इस पर बुद्ध के उस महान अनुयायी तेत्सुजेन ने उत्तर दिया - भगवान बुद्ध ने पीड़ितों की सेवा को सर्वोपरि धर्म निरूपित किया है। मैंने उनके वचनों को साकार करने के लिए ही वह राशि बाढ़ पीड़ितों के प्राण बचाने में लगाई है। मैंने कोई गलत कार्य नहीं किया है। ग्रंथ नहीं छपेंगे तो कोई बात नहीं, किंतु उस राशि से हजारों लोगों को राहत मिल गई। तेत्सुजेन का उत्तर सुनकर लोगों की आंखें खुल गई और उन्हें भगवान बुद्ध के वचनों का भान हुआ।

जूबिया खान 7 C

अरमान यही..

है शौक यही अरमान यही,
हम कुछ करके दिखलाएंगे।
मरने वाली दुनिया में हम अमरों में नाम लिखाएंगे।
जो लोग गरीब भिखारी हैं,
जिन पर न किसी की छाया है,
हम उनको गले लगाएंगे, हम उनको सुखी बनाएंगे।
जो लोग अंधेरे घर में हैं, अपनी ही नहीं नजर में हैं,
हम उन के कोने-कोने में, उद्यम का दीप जलाएंगे।।
है शौक यही अरमान यही,
हम कुछ करके दिखलाएंगे।।

कनक गंगवार – 9B

जीवन की अनमोल कड़ी

जीवन की अनमोल कड़ी,
मां हर पल बेटी के साथ खड़ी।
जन्म देने वाली वो,
हर दुख हरने वाली वो,
पाल पोस कर बड़ा बनाकर,
भावनाओं-सी बहने वाली वो।
कहती है वो बेटी से,
दूर भगा दे हर डर को,
अपना हक छीन कर लो,
अपनी ताकत दिखा दो दुनिया को।
बेबस नहीं कभी भी तू,
हारी नहीं किसी से तू,
नारी है कमजोर नहीं तू,
मां मेरी सबसे न्यारी तू।
जीवन की अनमोल कड़ी
मां हर पल बेटी के साथ खड़ी।।

यशिका कश्यप 9B

आज भी

आज भी लोग करते हैं इंतजार
लोग आएंगे वापस अपने घर के द्वार।
आज भी बच्चे घर से कोचिंग हैं जाते,
घर पर इंतजार होता है खाना पकाते-पकाते।
आज भी बच्चे देते हैं दादी को पानी,
बच्चे कहते हैं खाना खा लो नानी।
आज भी चरण स्पर्श करते हैं दादी के
जाते हैं दादी के साथ घर नानी के।
आज भी लोग मां के हाथ का खाते हैं खाना,
यह नहीं कहते आज होटल से हैं मंगाना।
आज भी लोग जाते हैं घर से बाहर,
तो होता है उनका इंतजार।

अंशिका आर्य – 9A

मेरे जीवन का लक्ष्य

हर व्यक्ति के जीवन का कुछ न कुछ लक्ष्य होता है, जिसे वह पाना चाहता है। मेरे जीवन का लक्ष्य है डॉक्टर बनना। ताकि मैं लोगों का इलाज कर सकूं। मैं डॉक्टर बनकर अपने गांव में चिकित्सा की सभी तकनीकें लाना चाहती हूं, जिनसे अभी तक छोटे-छोटे गांव वंचित हैं। डॉक्टर बनकर मेरा उद्देश्य केवल पैसा कमाना नहीं है, बल्कि मैं लोगों की सहायता करना चाहती हूं। मैं यह चाहती हूं कि हर व्यक्ति को अच्छे से अच्छा इलाज कम पैसे में मिले और वह स्वस्थ रहें।

अंशिका आर्य – 9A

प्रकृति का संदेश

चिड़ियों से है उड़ना सीखा,
तितली से इठलाना। भंवरों की गुंजन से सीखा, राग मधुरतम गाना।
तेज लिया सूरज से हमने, चांद से शीतल छाया। टिम टिम
करते तारों की हम समझ गए सब माया।
सागर ने सिखलाई हमको गहरी सोच की धारा, गगनचुंबी
पर्वत से सीखा हो ऊंचा लक्ष्य हमारा।
समय की टिक-टिक ने समझाया, सदा ही चलते रहना।
मुश्किल कितनी आन पड़े पर, कभी न धीरज खोना।
प्रकृति के कण-कण में है सुंदर संदेश समाया,
ईश्वर ने इसके द्वारा ज्यों अपना रूप दिखाया।

यशिका कश्यप – 9B

मेरा अरमान

स्वर सीखे व्यंजन सीखे
सीखा गुरु से ज्ञान
माता से प्यार सिखा
पिता से सम्मान
जीवन पथ पर मैं आगे बढ़ूँ,
मांगू गुरु से वरदान
मेरा विद्यालय आगे बढ़े
है यही अरमान
प्रगति करें सब विद्यार्थी
और बने महान
विद्यालय की तरक्की हो बढ़े सदा सम्मान
मैं यहां का एक विद्यार्थी और रहा कप्तान

अभिनन्दन सिंह
बारहवीं 'ब'

प्राथमिक विभाग

कोरोना

बहुत हो गई छुट्टी यारो, डर को अपने अंदर से मारो।
अब हमे नहीं है डरना, चाहे जितना डराए कोरोना ।
कोल्डड्रिंक चिप्स टॉफी मैने छोड़ी |
फल सब्जी दूध मैं खाता-पीता
इम्यूनिटी इतनी मैंने बढ़ाई अब होगी कोविड-19 से लड़ाई |
सारे नियम मैं निभाऊँगा कोरोना को दूर भगाऊँगा।

नाम - आदित्य
कक्षा- 5अ

तिरंगा

भारत की है शान तिरंगा.
वीरो की है आन तिरंगा ।
तीन रंगो का अद्भुत संगम
केसरिया है वीरता का रंग |
श्वेत रंग फैलाये शान्ति
हरा रंग देता हरियाली |
अशोक चक्र है, इसकी शान
करें सम्पन्नता का आवाहन
भारत का है यह अभिमान
सदा रहे इसकी शान
तुझको शत् शत् प्रणाम |

वैष्णवी सक्सेना
कक्षा-चौथी ब

(द्वितीय पाली)

हमारी प्रतिबद्धता- (एक वादा बच्चों से)

शिक्षक अब प्रतिबद्ध हुआ है शिक्षित सबको करने को, संकल्प संगठन से लेकर शिक्षा सबमें भरने को..
करी प्रतिज्ञा उसने विद्यालय नियमित जाने की, ठीक समय पर स्कूल पहुँच कर बच्चे सभी पढ़ाने की |
शिक्षक.....
करके गणना सब बच्चों की शाला में वह लायेगा, रोचक वातावरण बनाकर बच्चों को सिखलायेगा|
देकर अद्‌भुत ज्ञान नई शिक्षण विधियां अपनायेगा, बच्चों के प्रति विद्याालय में ममता प्यार दिखायेगा|
शिक्षक.....
गणित और विज्ञान किटों का अधिक प्रयोग करेगा वह, आसपास की सामग्री का नव उपयोग करेगा वह,
रूचिकर शिक्षण विधि अपनाकर सारा काम करेगा वह, बालाओं को शिक्षित करके नवयुग निर्माण करेगा वह|
शिक्षक......
बनाकर श्यामपट पर चित्रों को बच्चों से बनवायेगा,
बच्चों को प्रेरित करके वह पशु पक्षी बनवायेगा,
व्यंजन के संग जोड़ मात्रा उच्चारण सिखलायेगा,
शब्द बना फिर चित्र वस्तु का भाव बोध करवायेगा |
शिक्षक....

साधारण कविता के द्वारा बच्चों से वाक्य बनवायेगा,
पौधों, पशुओं, प्रकृति, मनुष्यों का हित करायेगा,
बच्चों के संग घुल मिलकर वह सरस प्रेम बरसायेगा|
शिक्षक....
सरल कहानी तीन साथियों की सहयोग पढ़ाती है, एक दूसरे को संग लेकर जीना हमें सीखाती है,
कछुआ और खरगोश पढ़ाता हमें लगन से करना काम, नियमित रहकर जीवन को सफल बनाना है आसान|
शिक्षक....
मानव को विनय सिखाता है नियमित श्रम को करते रहना, अपमानित होने का कारण होता है आज भटक जाना,
विनय कुमार पुत्र दीपक संग हामिद के घर जाते हैं, ईद मिलन में पिता-पुत्र गुझिया सेवई खाते हैं|
शिक्षक...
सब धर्मों का मिलन हमें मानवता का पाठ पढ़ाता है। दीपक भी हामिद भाई को होली पर घर बुलाता है।
बाल दिवस हमको बतलाता नेहरू जी के बारे में, खिला कुदा कर हमें सिखाता देश प्रेम के बारे में|
शिक्षक.......
सत्य, अहिंसा है सिखलाता गांधी जी का पावन पाठ,
रघुपति राघव राजाराम, पतितपावन सीताराम, ईश्वर अल्ला तेरो नाम सबको सम्मति दे भगवान|

अंकिता निर्मल
(प्राथमिक प्रशिक्षिका – संविदा)

कविता- लापरवाही

कब तक टालते रहोगे अपने काम को,
ऐसे नहीं हासिल कर पाओगे अपने मुकाम को |
भोले - भाले लोगों को ठगकर जीविका चलाते हो,
धिक्कार है तुम्हारे जीवन को लालची कहलाते हो|
दोष दूसरों को देते हो खुद कमियों के भण्डार हो,
बहला फुसलाकर लोगों से करते हो व्यापार हो|
उन्नति नहीं होगी ऐसी करतूतों से
मुझे पता चलता है उपयुक्त सबूतों से
मदमस्त रहते हो मक्कारी की नशे मे निरंतर,
सफलता के बारे मे सोचते है पर देखते हो टीवी जमकर|
कल्पना तो करते हैं पश्चिम से डरते हैं
ऐसे लोग कभी जीवन में आगे नहीं बढ़ते है।

नाम -प्रांशु मिश्रा
कक्षा -सप्तमी 'ई'

कविता-मन

कैसे मानू रे मन कहना तेरा
तू परवा न करता मेरी जरा
बात मानी है तेरी यहाँ तक मैंने
वर्णन इसका मैं तुझसे कहाँ तक करूँ
हर समय तू फिसलता मचलता रहा
तूने बरबाद जीवन को मेरे किया
लक्ष्य को भी न तूने पनपने दिया
अपनी बात मनाने को बाध्य किया
अब नहीं मानूंगा रे मन कहना तेरा
तूने बरबाद जीवन को मेरे किया
कैसे समझाऊँ तुझको मेरे मन
तू तो करने न देता मुझको करम

नाम - प्रांशू मिश्रा
कक्षा - सप्तमी ई

कविता- मेघालय

मेघालय हमारा राज्य,
कितना सुंदर राज्य ,
हरा–भरा ये बन गया ,
पशु पक्षियों का यह ताज|

पहाणों का ये सुंदर आकार,
मन को कर देता खुशहाल,
बारिश के लिए प्रसिद्ध यह राज्य,
हमारे लिए है ये प्रिय राज्य|

हमेशा रहती है शांति यहाँ,
ऐसा है यह राज्य ,
पर्यटकों को देता है खुशी,
मेरा प्रिय यह राज्य ।

आंशिका राठौर
कक्षा = X D

कपटी बाज

एक बाज एक पेड़ की डाली पर रहता था । उसी पेड़ की खोह में एक लोमड़ी रहती थी । एक दिन जब लोमड़ी अपनी खोह से निकली तो बाज उसमें घुस गया और अपने बच्चों को खिलाने के लिए लोमड़ी के बच्चों को उठाकर ले गया । जब लोमडी लौटी, तो उसने बाज से अनुरोध किया कि उसके बच्चों को लौटा दे।

बाज जानता था कि लोमड़ी उसके घोंसले तक नहीं पहुँच पाएगी । उसने लोमड़ी की बात को ना सुन कर आगे बढ़ गया।
फिर एक मंदिर से एक जली हुई लकड़ी लेकर आई और पेड़ के नीचे रख दिया, जिससे बाज के घोंसले में गरमाहत होने लगी । उसने पेड़ में आग लगने के डर से लोमड़ी के बच्चों को उसे लौटा दिया।

संकलन - दिव्या कुमारी
कक्षा 7

माँ

तबीयत मेरी खराब होती है,
और नींद उनकी उड़ जाती है
हमें डाटकर बेचैन वो ख़ुद भी हो जाती है।
दर्द में हमें देखकर मानों मुस्कराना भूल जाती है।
जब तक हम न खाएँ खाना
वो भी कहाँ खाती है
वो माँ है जनाब अपना प्यार तीन शब्दों
में कहाँ जताती है।

हमारी गलती पर हमें समझाकर
गले लगा ले वो माँ कहलाती है।

अदिति गुप्ता
कक्षा– X - D

"शिक्षक"

शिक्षक का है ज्ञान बड़ा ।
शिक्षक से है हमें ज्ञान मिला ।
शिक्षक में शिक्षा का ज्ञान दिया ।
शिक्षक ने सही राह दिखाई।
शिक्षक ने अच्छे बुरे की बात बताई ।
शिक्षक ने हमको हिन्दी इंग्लिश का ज्ञान
कराया ।
शिक्षक ने हमको पढ़ाई का मोल बताया ।
शिक्षक ने हमको नई से नई राह दिखाई ।
शिक्षक ने हमको दुनिया की सच्चाई दिखाई।

नाम –इकरा खान
कक्षा =नवीं ई

कविता – नीले पंखों वाली चिड़िया

पेड़ों पर कूदती है,
चीं-चीं कर उड़ जाती ,
कभी पानी में नहाती,
तो कभी बच्चों को बहलाती

नीले पंखों को फैलाकर
फिर नीले आसमान में उड़ जाती ।
इस डाली पर उस डाली पर
छिपकर गाने वाली चिड़िया
इधर – फुदकती उधर – फुदकती वह
सुंदर नीली चिड़िया ।
गाना कितना मीठा गाती है
वह सुंदर नीली चिड़िया
तुम भी जब अपना मुँह खोलो
सुंदर नीली चिड़िया जितना मीठा बोलो ।

नाम- रितुराज यादव
कक्षा – VI ई

कविता

आसमान में चमके तारे,
लगते कितने प्यारे-प्यारे ।
छोटे- छोटे, नन्हे-नन्हे,
झिलमिल – झिलमिल करते तारे ।
रात अंधेरी जब होती है,
राह दिखाते हैं ये तारे ।
आते हैं जब काले बादल
छिप जाते हैं तब ये तारे ।

साक्षी शर्मा
कक्षा VI -ई

कविता : "काम हमारे बड़े-बड़े"

हम बच्चे हैं छोटे-छोटे,
काम हमारे बड़े-बड़े |
आसमान का चाँद हमीं ने,
थाली बीच उतारा है|
आसमान के तारों में वे
तीर हमारे गड़े – गड़े|
हम बच्चे हैं छोटे-छोटे
काम हमारे बड़े –बड़े....
भरत रूप में हमने ही
तो दाँत गिने थे शेरों के
और राम बन दाँत किए थे
खट्टे हमने असुर लुटेरों के|
हम बच्चे है छोटे-छोटे
काम हमारे बड़े-बड़े.....
बापू ने जब बिगुल बजाया
देश जगा हम भी जागे,
आजादी के महायुद्ध में
हम सब थे आगे-आगे,

इस झण्डे की खातिर हमने
कष्ट सहे थे खड़े-खड़े
हम बच्चे हैं छोटे-छोटे
काम हमारे बड़े बड़े.... हर गणतंत्र दिवस की
परेड
सजती है बच्चों से,

वीर बालकों की झाँकियों
पर
खूब तालियाँ बजती हैं
गाते जन-गण-मन हम
हाथी पर चढ़े -चढ़े
हम बच्चे हैं छोटे-छोटे
काम हमारे बड़े-बड़े....
(यह कविता यह बताती है कि चाहे हम बच्चे छोटे हैं। लेकिन अपने साहस, बल और शक्ति से हमने बड़ी-बड़ी चुनौतियों का सामना किया है,और एक नई उम्मीद की किरण जगाई है।)

"राशिका" कक्षा 6-ई

|| अलविदा दोस्तों कह गया ||
राष्ट्रपति ए . पी . जे . अब्दुल कलाम

देश का सच्चा सपूत था वो,
जात-पात से परे नेक बन्दा था वो,
युवाओं का था सच्चा साथी,
फकीराना जिंदगी जीकर जिसने
देश को ताकतवर बनाया |
सबका चहेता राष्ट्रपति कहलाकर
दिलों में अपनी जगह बनाया |
नम आँखों को छोड़ वो
अनगिनत यादों में बस गया
'मिसाइल मेन ' कहलाकर हमको
अलविदा वो कह गया |
मिलेगा न हमको अब तेरे जैसा कोई
न जाने कोई दोस्त क्यों
अलविदा को कह गया |

रमशा
कक्षा-8-द

क्या लड़की होना पाप है ??

अपना परिचय कैसे दूं कोई छिपाने वाली बात तो नहीं ।
हर लड़की के साथ है ये कोई नई चीज़, कोई श्राप तो नहीं।
ना हंसो उस पर जब वो उस दर्द से छटपटाती है।
क्योंकि उसी के चलते वो तुम्हें इस दुनिया में लाती है।
क्यों बुरा भला बोलते हो इसे
ये कोई महावारी कोई बीमारी थोड़ी है।
महीने के उन छः दिनों में उसे अपवित्र बताते हो ।
क्या खूब सोच है जनाब !
मन्दिर की मूरती को पूजते और घर की देवी को अपवित्र
बताते हो !
जब-जब बारी आती है उसकी, बहुत घबरा जाती है।
हँसती खेलती लड़की भी ,उन दिनों मुस्कुराना भूल जाती है।

और छुपाऊँ क्यों मैं , इस बात को सबसे, माँ से ,
जब सबको पता है ये बात, एक दिन हमारी पढ़ाई में भी आती है।
ईश्वर के दिये वरदान को अब श्राप बना दिया है।
मेरे इस महान समाज ने पीरियडस को एक घिनौना पाप बना दिया है।

गार्गी गुप्ता
कक्षा IX द

हमारे प्रधानाचार्य

संकल्पों से जिनकी दिनचर्या है चलती,
दृढ़ निश्चय जिनकी छवि से है झलकती,
मुश्किलें इनसे पल में हैं सुलझ जाती,
इनकी बातें बच्चों की किस्मत है संवारती ।
स्नेह और दुलार की मूरत हैं ये,
हर कठिनाई का मुँह तोड़ जवाब हैं ये,
बुद्धिमता की दूसरी मिसाल हैं ये,
अपने काम को अपना मन्दिर समझा करते हैं |
शिक्षकों को सीख, हमको दुलार दिया करते हैं .
यूँ झूठ नहीं, सच है,
आज भी ऐसे इंसान दुनियाँ में मिला करते हैं।

अंशिका
कक्षा- 6 ई

कविता- समय का मूल्य

समय का मूल्य,
जिसने माना है,
उसका इस जगत में भरा सदा पैमाना है।
आलस को जिसने अपनाया,
वह जीवन भर पछताया |
खरगोश और कछुए की दौड़ में,
धीरे चलकर भी कछुआ जीत जाता है |
निरन्तर अभ्यास और गहन अध्ययन से
मूढ़ गति भी मंजिल को पा जाता है।
रवि – शशि, पवन का संगम
ऋतुओं को जन्म देता है।
चलना रुकना समय पर
गति और विराम का सरमाया |
आलस को जिसने अपनाया,
वह जीवन भर पछताया ।

नाम तेजस्वी त्यागी
कक्षा–8–द

स्कूल - लाइफ़

आता है याद वो स्कूल का जमाना,
वो एक दूसरे को बचाना. . .

कोई एक परेशान हो तो,
सब मिल के उसको समझाना.

वो साथ बैठ के हँसना और मुस्कुराना,
वो विज्ञान - गणित की क्लास में सो जाना |

न भूलेंगे वो दिन और वो बातें ,
अगर कुछ है तो यादें ही यादें ।

नागेश्वर
कक्षा –XII ई

बचपन.......

जवानी के मेले में कहाँ, बचपन मेरा खो गया,
वो खुशियों का जमाना शायद मुझसे रूठ कर सो गया...
न फिक्र थी न कोई परेशानी,
दिलो दिमाग में रहती थी,
सारी थकान मिट जाती थी,
जब माँ गोद में लेकर 'मेरा बच्चा'
प्यार से कहती थी.....
आज तो बड़े –बड़े फनकारों की
नज्में सुनकर भी नींद आती नहीं ,
तुम्हारी मीठी लोरी की वो गुनगुनाहट
आज भी कानों से जाती नहीं .....

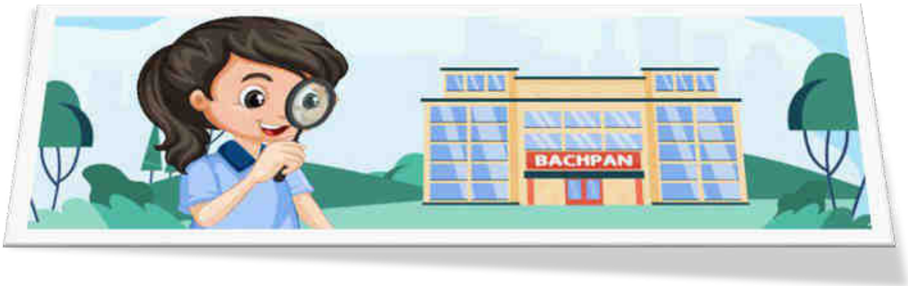

नागेश्वर
कक्षा –XII ई

काश जिंदगी सचमुच किताब हो तो.

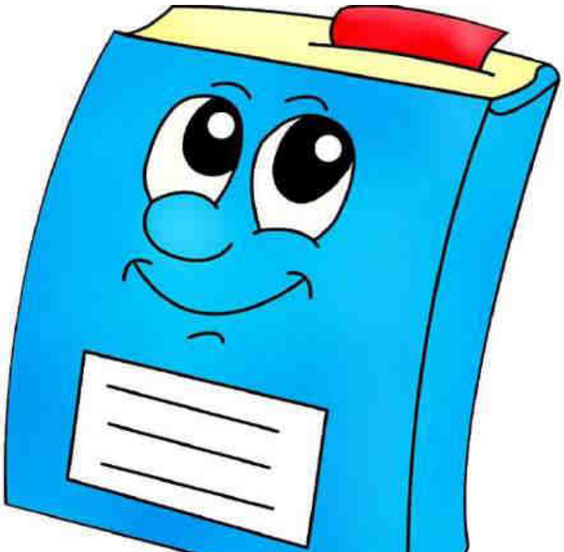

काश जिंदगी सचमुच किताब होती तो,
पढ़ सकता मैं कि आगे क्या होगा ?
क्या पाउँगा मैं और क्या दिल खोयेगा?
कब थोड़ी खुशी मिलेगी, कब दिल रोयेगा ?
काश जिंदगी सचमुच किताब होती तो,
फाड़ सकता मैं उन पन्ने रूपी लम्हों को,
जिन्होने मुझे रुलाया है,

जोड़ता कुछ पन्ने जिनकी यादों ने मुझे हँसाया है,
काश! हिसाब तो लगा पता, कितना खोया, और
कितना पाया है ?
काश जिंदगी सचमुच किताब होती तो,
वक्त से आँख चुराकर पीछे चला जाता,
टूटे सपनों को फिर से अरमानों से सजाता,
कुछ पल के लिए मैं भी मुस्कुराता,
काश ! जिंदगी सचमुच किताब होती ! ! काश !!!

नागेश्वर
कक्षा –XII ई

पहचान जिंदगी की. . . .

गरीब मीलों चलता है भोजन पाने के लिए,
अमीर मीलों चलता है उसे पचाने के लिए,
किसी के पास खाने के लिए
एक वक्त की रोटी नहीं,
किसी के पास
एक रोटी खाने के लिए वक्त नही |
कोई अपनों के लिए अपनी रोटी छोड़ देता है,
कोई रोटी के लिए अपनों को ही
छोड़ देता है |
दौलत के लिए सेहत खो देता है,
सेहत पाने के लिए दौलत खो देता है |
जीता ऐसे है, जैसे कभी मरेगा नहीं,
और मर ऐसे जाता है,
जैसे कभी जिया ही नहीं |
एक मिनट में जिंदगी नहीं बदलती,
एक मिनट में लिया गया फैसला, जिंदगी बदल देता है |

नागेश्वर
कक्षा -XII ई

प्यारा-प्यारा देश है मेरा

होठों पे सच्चाई रहती है,
जहाँ दिल में सफाई रहती है
हम उस देश के वासी हैं
हम उस देश के वासी हैं
यारों सबसे प्यारा हमारा देश,
सुख का कोना भी मेरा देश
फूलों का बगीचा मेरा देश
हँसता-गाता मेरा देश
प्यारा- प्यारा है मेरा देश

सत्यव्रत साहू

हम भी कभी इंसान थे...

मैं चला जा रहा !
रास्ते सूनसान थे !
एक तरफ घनघोर जंगल एक तरफ इंसान थे ।
सहसा एक चींटी मेरे पैरों के नीचे आई !
और उसने यूं फरमान से कहा. . . .
हे राही ! जरा धीरे चल, हम भी कभी इंसान थे!
हम भी कभी इंसान थे !!

सत्यव्रत साहू

कहानी

एक बाप और बेटा मेला घूमने गये :

बच्चे ने झूला देखकर कहा- " पापा हमे झूला झूलना है।"
पापा - " झूला तो लोहर में होते हैं। इतने ऊँचे -ऊँचे बादलों के नजारे दिख जाएं। "
बच्चा कहता है –" पापा हमें जलेबी खाना है|"
पापा –"जलेबी तो लोहर में मिलती थी। इतनी रसीली-साल भर स्वाद जुबान पर रहे। "
बच्चा कहता है- "पाप हमें खिलौने दिला दो | "
पापा – "खिलौने तो लोहर में होते हैं। एक बार खेल लो तो जिंदगी भर खेलने की जरूरत नहीं ।"
बच्चा रोते रोते घर चला जाता है,अगली सुबह उसकी मम्मी आती है | स्कूल जाने के लिए उठाती है, बच्चा कहता है- " ये मम्मी कोई मम्मी है, मम्मी तो लोहर में होती है, जो प्यार से उठाती है।"
पापा उठाने आते हैं- कहते हैं , " बेटा उठो, स्कूल जाओ | बच्चा कहता है- "ये भी कोई स्कूल है स्कूल तो लोहर में होते हैं। जो एक बार पढ़लो , दुबारा पढ़ने की जरूरत ही नहीं है।"

आर्याही चौरसिया
कक्षा 2 द

सत्य की राह

शिकस्त मिली कभी, ये अफसोस क्यों करते हो ।
खोजो उस कमी को, जिससे तुम गिरते हो ।।
साहस और संयम से तुम, अपना कदम बढ़ाना ।

होती मुश्किल आसान, यह है बड़ों का कहना ।।
बात है पते की, इसे ध्यान से समझना ।
न कभी निराश होना, न कभी बिखरना ।।

नाम- उन्नति शर्मा
कक्षा 5 – द

चुटकुला

बाबा : "तुम्हे जीवन में क्या चाहिए ?"
मैं : " बाबा पैसा ।"
बाबा : पैसा को साइड में रख दो और फिर बताओ-
" जीवन में क्या चाहिए? "
मैं : " साइड में रखे हुए पैसे । "

नैतिक पाल
कक्षा 2 ई

कविता : झंडा

झंडे में तीन रंग होते हैं,
नारंगी–सफेद–हरा ।
हमारा झंडा हमें है,
जान से भी प्यारा ।
झंडा हमारे देश की शान है,
झंडा हमारे देश की मान है ।
झंडा हमारा अभिमान है,
झंडा हमारी पहचान है।
हम झंडे को लहराएंगे ,
अपने देश का नाम ऊँचा बनाएंगे।

अक्षत दत्ता
कक्षा 2 ई

चुटकुले

1. मीना- " मैं अमेरिका जाने की सोच रही हूँ।"
टीना- "तो चली जाओ।"
मीना- "पर बहुत खर्च होगा।"
टीना- "अरे! पागल सोचने में कैसा खर्च ।"

2. टीचर-दुनिया का सबसे प्राचीन जानवर कौन सा है?
छात्र- सर, जेब्रा ।
टीचर- वो क्यों ?
छात्र- " सर,क्योंकि वो ब्लैक एंड व्हाईट है !"

3. पत्नी - इतनी देर से क्यों आए ?
पति- क्योंकि एक आदमी का दो हजार का नोट खो गया था।
पत्नी-तो तुम क्या उसकी मदद कर रहे थे नोट ढुढ़वाने में ?
पति- नहीं ! मैं तो उसी नोट पर खड़ा हुआ था ।

नाम -मयंक दीक्षित
कक्षा- 5 ई

वक्त

रही तलाश उम्र भर
वक्त की मुझे,
पास रहा मेरे मगर
गँवाता रहा. . . ।
ढूँढ रहा कल को मैं
खोज ना सका,
कतरा कतरा गुजर गया।
सताता रहा. . !
नजर के ही सामने से
बेकदर हुआ,
जब हुई कदर तो मुझे
भगाता रहा. . . ।
वक्त से परे की मैं

बात गर कहूँ,
थे हसीन ख्वाब जिनको
सजाता रहा. . !
हकीकत से रूबरू
तो
होना ही था,
वही तो एक राज
जिससे
नाता रहा. . !
रही तलाश उम्र भर
वक्त की मुझे
पास रहा मेरे मगर
गँवाता रहा. . ।

नाम -:प्रियांशु राजवंशी
कक्षा -: XII ई

माँ पर कविता

प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ,
चलना सिखाती माँ,
मंजिल हमे दिखाती माँ,
सबसे मीठा बोल है माँ,
दुनिया में अनमोल है माँ,
खाना हमें खिलाती माँ,
लोरी गाकर सुलाती है माँ,
प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ ।

नाम – नन्दिनी
कक्षा 5 – द

ईमानदारी का ईनाम

एक गाँव में रामूलाल नाम का चित्रकार रहता था । घर – घर जाकर पेन्ट करता था। उसकी कमाई बहुत कम थी। एक दिन उस गाँव के सरपंच ने रामुलाल को अपना घर और नाव पेन्ट करने के लिए बुलाया सरपंज जी ने कहा, "तुम इस काम की कितनी कीमत लोगे, रामूलाल ने कहा ? इसके तो पन्द्रह सौ है आप जितने सरपंच जी ने कहा तुम्हे मिल जाएंगे। रामूलाल ने जब नाव को पेन्ट करना शुरू किया तो रामूलाल ने नाव में छेंद देखा तो रामूलाल ने सोचा "इसका छेंद भर दूँ , वरना जो इस नाव में बैठकर जाएगा वो डूब जाएगा। रामूलाल ने सोचकर छेंद भर दिया। उसके बाद रामूलाल ने पेंट करना शुरू कर दिया। जब रामूलाल का पेन्ट हो गया तो उसके अगले दिन सरपंच जी की पत्नी और बच्चे उस नांव में बैठकर सैर पर गए, तो सरपंच जी के नौकर ने आकर कहा, "साहब, आज आपका परिवार नहीं दिख रहा है? सरपंच जी ने कहा, "वो नाव में बैठकर सैर पर गए हैं। नौकर बोला, " उस नाव में छेंद था जब तक ये बात नौकर ने कही तब तक सरपंच जी का परिवार सैर से आ गया। अगले दिन रामूलाल अपने काम के पैसे लेने आया तो उसने कहा, " सरपंच जी मेरे पैसे। जब सरपंच जी ने पैसे दिए तो रामूलाल ने जब पैसे गिने तो रामूलाल ने कहा, "मैनें तो आपसे पंद्रह सौ तय किए थे लेकिन ये तो छह हज़ार हैं। संरपंज जी ने कहा ये तो तुम्हारी समझदारी और ईमानदारी का इनाम है।

संकलन– अरीफा जुबैर
कक्षा 5 द

कविता-क्लास मॉनीटर

जो क्लास में बने मॉनीटर,
कोरीशान दिखाते हैं।
आता जाता कुछ भी नहीं,
पर हम पर रौब जमाते हैं।
जब क्लास में टीचर नहीं,
तो खुद टीचर बन जाते हैं।
कॉपी पेंसिल लेकर,
बस नाम लिखने लगे जाते हैं.
खुद तो हमेशा बातें करें,

हमें चुप करवाते हैं।
अपनी तो बस गलती माफ़
हमें बलि चढ़ाते हैं।
क्लास तो सम्भाल पाते नहीं,
बस चीखते और चिल्लाते है।
गवान बचाएं इन मॉनीटर से,
इन्हें हम नहीं चाहते हैं।

संकलन-अलीशाबानों
कक्षा-8 -ई

ENGLISH SECTION

ENGLISH SECTION

Index

S. No	TOPIC	Page No
	FIRST SHIFT	
1	Feel our Mother Nature/ CASTLE OF HER..........	37
2	Message to soul/ Why?	38
3	Don't Jump in High and Low/ Everybody has a name/ International Yoga Day	39
4	Space Words	40
5	Body Positivity	41
6	Health benefits of yoga that improve your daily life	42
7	WORLD'S TALLEST MAN V/S WORLD'S SHORTEST WOMAN	43
8	Water Crisis	44
9	AZADI KA AMRIT MAHOTSAV	45
10	Importance of Yoga	46
11	The Town I live in	47
12	MODERNIZATION	48
13	Yoga for Peace and Harmony/ Faces of Life	49
14	B. R. Ambedkar/ THE AIM OF LIFE	50
15	Teachers/ TEN Random Facts	51
16	SPORTS AND GAMES ARE THE BETTER WAY TO RESOLVE A CONFLICT/ Back to School	52
17	Life through the Eyes of a Mathematician	53
18	Moral Teaching/ DON'T TELL	54
19	The foolish farmer/ YOGA TADASANA	55
20	Science Fact	56
	SECOND SHIFT	
21	The Lake Isle of Innisfree/ Poem- Friendship	57
22	The happiest day of your life?/ Poem- Dignity	58
23	Riddles	59
24	Seven Friend Forever like Seven Wonders	60
25	Mysterious library	61

(First Shift)

Feel our Mother Nature

Let's work on the leafy Road
With the sweet and dazzle smile.
Try to listen the chirruping of birds,
Start humming with this phoenix

Look at the sky which covered with the cumulus,
Cover yourself with joy.
Flowers grow in sunshine,
Let's feel the rays in our soul.

May the wings of butterfly kiss the flower?
To bring you fate and delight.
Feel the soul touch of wind,
Lost yourself in its purity.

Sun gives a smile to the world,
Let's give our love to the Mother Nature.
Let's feel and enjoy every moment,
Walk back with peace mind.

Name -Hitakshi Varma 12 C

CASTLE OF HER...........

She fell into darkness
And many thought she was gone......
But it was in the darkness
That she learnt to see..........

And when she came back
Into the light...............
She no longer needed her eyes
They were for humans..........

And She........
She was a warrior.

NAME- KAHKASHAN 12A

Message to soul

Don't quisling the world to the country

This country is yours
You are King you are people
This country is yours
Don't be friend those who are enemy of humanity h
This country is yours

Don't to make through the light
This country is yours
These both worlds are of Humanity
This Country is yours
You are the best of both worlds
This country is yours
You are the reward of both worlds
This country is yours
This country is yours

NAME- Mehreen Warsi 12A

Why?

Where voices are always told, don't cry like a girl?
All tears different for a girl and boy?
If a girl is spread her legs and sits........
A swift remark flies in.
Sit properly!
Girls don't sit like this.
Why?
Is it just a means right to sit comfortably??
All wanted well cultured girl with mild character.

But are the same adjectives
Ever use for a man?
Why?

Name- Hiba Warsi 12D

Poem- Don't Jump in High and Low

Don't jump in high and low
Don't pride in pelf and show
Many creators, God is one
He, Controls here all things,
Don't keep a baseless thoughts
Bless you are fat, who won fought

O Man! You got a golden one
Don't cheat and defeat none.
Slowly come and slowly go
Don't wrong and don't bow
Don't jump in high and low
Don't pride in pelf and show

Name- Priya Rajvanshi 12 C

Poem- Everybody has a name.

Some are different,
Some are the same.
Some are short,
Some are long.

All are right,
None are wrong.
I like my name,
It's special to me.

It's exactly who,
I want to be!

Name- Iflah Islam 5A

International Yoga Day

Yoga is a system of exercise for relaxation of our mind and body. Our Prime Minister, Mr. Narendra Modi proposed the idea of International Yoga Day on 27th September, 2014. First International Yoga Day was observed in 2015. In India the first International Yoga Day was held at Rajpath, New Delhi. It is celebrated on 21st June every year. The knowledge of yoga was firstly given by Shiva. Today yoga has become a global festival. Yoga is very beneficial for our body. Yoga helps in the learning of controlling our body movements. If you can learn how to breathe properly then you can become healthier. Yoga is the best way to keep ourselves healthy.

Name: Aditi Chaudhary 7B

Space Words

Astronomer/ Astronomy

A scientist who is study this space and universal beyond Earth. Astronomy is the branch of science that studies space.

Atmosphere

The layer of gases surrounding earth and other planets, held in by gravity.

Big Dipper

Part of the constellation Ursa Major (Big Bear), made up of this constellation's seven brightest stars. Stars from earth that looks like a ladle or dipper.

Light Year

The distance that light travels in one year about 6 billion miles.

Little Dipper

The constellation Ursa Minor (Little Bear). The stars that make up this constellation also form a pattern and that looks like a dipper.

Milky Way

The Galaxy that contains the earth, the sun, and the solar system. It's can be seen in the night sky as a long cloudy group of stars.

Constellation

A group of stars in the night sky forming patterns that look like animals, objects or characters. There are 88 official constellations.

At different times of the year and in the different hemisphere, different constellation can be seen in the sky.

Galaxy

A collection of billions of stars and other matter held together by gravity. Our planet Earth and the sun belong to the Milky Way galaxy. A telescope help us see other galaxies from earth.

Gravity

A force that pulls matter together; a force that pull all people and objects toward the ground.

Helium

A gas is lighter than air. Balloons filled with helium will float high in the sky.

Nebula

A cloud of dust and gas found in interstellar space. They are sometimes called "Star Nurseries "because stars are create there.

Polaris (North Star)

A bright start in the constellation ursa minor (little dipper). It seems to remain in a constant positions in the sky for this reason, Polaris is used for navigation.

Orion

I like winter constellation in the northern sky. In Greek mythology, a hunter.

Refract

Hubble Telescope

A space telescope launched into law earth orbit in 1990 and is still out there. The Hubble has taken thousands of images that have helped scientist and the public to understand our universe better.

Hydrogen

A very light gas and one of the most abundant gases in the universe.

Interstellar

This is located between stars.

Scintillation

A spark, flash or twinkle of light.

Star

A giant ball if hot gas that emits light and energy created through nuclear fusion at its core.

Telescope

An instrument that uses lenses and mirrors to make for away objects look larger and closer to us.

Name- Ritu Varsha 12A

Body Positivity

What does body positivity mean?

It means having a positive body image regardless of how society and popular culture view ideal shape, size or appearance. Having a positive body image not only builds self-esteem but it also builds better mental and physical health.

Always remember

1- Always try to be healthy, both physically and mentally.

Your health should be your top priority.

2. You never encourage a person to take care of their body by commenting on their body.

3. Never comments and make fun or jokes about someone's physical appearance, it can make them INSECURE about their own appearance.

Name- Vibhavari 12 D

<u>Health benefits of yoga that improve your daily life</u>

1. Improve flexibility
2. Build Muscle
3. Perfect posture
4. Keeps Bones strong
5. Joints
6. Reduce BP and heart-rate

7. Manage diabetes
8. Improve immunity function
9. Reduces cortical
10. Release Muscle tension
11. Lower blood sugar
12. Improve lung function

13. Digestions
14. Manage pain
15. Reduce oxygen consumption
16. Regulate metabolism
17. Weight management
18. Lower risk for heart disease

Name- Sonakshi Tiwari 12 C

WORLD'S TALLEST MAN
V/S
WORLD'S SHORTEST WOMAN

The World's Tallest Man:

According to the Guinness World Record, Sultan Kosen is the tallest living man in the world. He was born on 10th of December 1982. He was born in the south-eastern city of Mardin in Turkey. He is a citizen of Turkey. He is a farmer by profession. His height is 251 cm (8 ft. 2.82 inches). He is the 7th verified tallest man in the history.

The World's Shortest Woman:

According to the Guinness World Record, Jyoti Kishanji Amge is the shortest living woman in the world. She was born on 16th of December 1993. She was born in the Nagpur city in India. She is an Indian. She is an actress and a model by her profession. Her height is 62.8 cm (2 ft. inches). On 16th of December 2011, she was officially declared as world's shortest woman.

Name- Avantika Prajapati XII-C

Water Crisis

What is water Scarcity?

Water is a very important resource, we use water for almost every activity like drinking washing, cooking, cleaning etc. This precious resource is largely getting wasted due to human carelessness and lack of planning and hence we are facing the Scarcity of water. According to the United Nations, a person needs a minimum of 50 litres of water per day for his basic needs of hygiene, cooking & drinking. But there is a large populations which fails to receive this small quantity of water & hence most of the populations is getting affected by water Scarcity. Insufficient intake of water causes kidney problems, Constipation, and various mental changes Blood pressure & heat flow in our body are maintained by water. The usable water present on earth, therefore, needs to be saved in under to live a healthy and sustainable living.

Reason for Water Scarcity -

1. Wasteful use of water for agriculture.
2. Reduction in water recharges systems
3. Lack of water management & distribution

Solutions to overcome this problem.....

Close the Running Tap

During dishwashing and hand washing people often let the tap run these running taps waste thousands

Of litters of water per year therefore, dosing the tap will reduce this problem.

Replace Dripping Taps

In India, it is commonly seen that most of the houses have taps or faucets that go on dripping water even when they are closed,

this running tap wastes up to 30,000 liters of water that nobody bothers to change. So, we should replace these taps immediately.

Effect of Global warming and Climate Changes

Global warming and climate change are also responsible for the Scarcity of water. The melting of icebergs into the Sea due to the rise in temperature is a reason as to how Salty water is increasing day by day instead of freshwater, the percentage of rainfall has decreased drastically these days Climate change along with the decrease in Rainfall percentage has greatly affected freshwater bodies. The Indian Government today has formulated & Come up with many plans on how to tackle and solve this problem.

Conclusion...

To conclude, water scarcity has become an alarming issue day by day if we do not take theproblem of water Scarcity. Seriously now, our future generations are going to suffer severely and may even have to buy this necessity at a high cost.

Name - Aushika XIIB

"AZADI KA AMRIT MAHOTSAV"

The years old struggle of our freedom fighters and the unsung heroes resulted in the Indian Independence ACT 1947. The Act transformed colonized India to new democratic country. The World's largest democracy will be celebrating its 76th Independence day third year. In these 75 years India has done a great progress in all spheres and applauded with great achievement, to celebrate and commemorate this success along with India's rich history, magnificent culture diverse population Government of India took the initiative of 'Azadi Ka Amrit Amrit Mahotsav'. The Prime Minister Shri Narendra Modi Ji inaugurate the 'Azadi ka Amrit Mahotsav' by flagging off the Gandhiji's famous Dandi March from Sabarmati ashram, Ahmadabad on 12th March2021. The celebration started 75 weeks.

Before our 75th anniversary of independence and will end on 15 March 2023. This in intensive country wide campaign focusing on the key element of democracy 'the citizen participation' to make it a" Jan Andolan" where small changes at the local level, will add up to significant change at the National level. The Government of India motivates the citizen to participate in various undergoing activities under the campaign theme like independence 2.0, reforming policies, Ek Bharat Shreshtha Bharat, Digital India Eliminating social evils, Self-reliant India, Vocal for local. This event has also increased student and common man's understanding and knowledge for their country. Let's celebrate the Azadi ka Amrit mahotsav by great enthusiasm and encourage ourselves to rediscover our hidden strength. Empower the young minds, release our potential to make vishwaguru Bharat'...

Thousand laid down their lives so that we may Country breath freely, never forget the sacrifice of those who gave 75 year of Independence.........

Jai Hind Jai Bharat

Name – Pratyaksha Varsney XIIB

Importance of Yoga

Yoga encourages a positive and healthy lifestyle for the physical and mental health. Yoga helps in the development of strength, stamina and high energy at physical level. Yoga enhances concentration and peace in a person. With the help of yoga, you can manage daily stress and its consequences. Studies in the field of medicine suggest that Yoga is the only form of physical activity that provides complete conditioning to the body because it massages all the internal organs.

"Yoga is a skill in action"

Pranayamas are the best breathing exercises to increase the capacity of lungs. Yoga increases strength, Flexibility and balance it increases the ability to perform activities, provides more energy and gives a restful sleep. Performing yoga daily helps in building muscular strength. The different asana make the body more flexible. Yoga prevents joint breakdown, increases blood flow.

"Meditation creates more time than it takes"

The most important benefit of yoga is relieving stress and fatigue. It is essential to practice yoga daily to get benefits out of it. Yoga is the cheapest and free of cost treatment for all the health issues. Yoga improves the quality of our life, and we need to work on it regularly.

Name- Pankhuri Srivastava 8 A

The Town I live in

Rampur, the town in which I live is very large. More than 80,000 people live in it. The town has many grand buildings and historical monuments. Hundreds of tourists visit the place every year to see the historical ruins of the once- great town. But I like the town, not for the historical buildings, but for its healthy climate. It is not a very crowded tour. It is perhaps the cleanest town in our state.

A river divides the town into two parts. On the left of the river very old part of the town. On the right is what is called Model beauty. There is a bridge across the river. is the Town Model Town is a The river is very wide. Its water is pure and fresh. Three big canals, which water the day plains of the State, are fed by the river.

The old part of the town is rather dirty. It has dark and narrow streets. The houses are small and dingy. The shops are of the folder type. Clouds of dust rise whenever a car or a truck basses through the streets. The streets are not always properly swept. There are only a few large houses in this part. These are not well ventilated too. There is a small post office in the town where only one clerk works. There is no separate telegraph office here. There is no school in the old part. Most of the rich people have left this part and built their own bungalows in Model Town. But the place still attracts visitor, for all the important historical buildings are to be found in the old part of the town. The ruins of the city still excite the imagination and wonder of foreign tourists...

Model Town is a fine place. It is modern in all respects... There the bazaars are lined with fine, shady trees. In civil lines we have the Super Bazaar, the Janta Market and the Eastern Square; in these parts are situated some of the grandest of buildings. Here one also finds large modern bungalows. In some of these live the Topic

Government officials; the other are occupied by rich lawyers, magistrates, judges, and businessman. In model Town, we have a post office. a full-fledged college, three high schools for boys, a government high School for girls, the low courts, a Christian church, a dark bungalow, the big railway station, the government dairy farm, and many beautiful parks and fine buildings. So Model Town is indeed a nice place to live in.

Name -Ashutosh Gupta 8B

MODERNIZATION

Modernization has become an integral part of society because it's necessary for economic development of the people. As a result, we can see lots of cities proliferating across the countries located in different continents. They are connected by broad roads crisscrossing the land, however increased modernization or in other words, urbanization entails own advantages and disadvantage. They are as follows:

Positive effects of modernization:

Modernization has played important role in the invention of the internet. People can communicate with each other through smart phones and tablets. They are able to access the website and gain information about the distant countries and tourists spots. People engaged in manufacturing and services get employed in huge numbers.

Negative effects of modernization:

As societies modernize, the individual becomes increasingly important, gradually replacing the family, community, or occupational group as the basic unit of society. Instead of being governed by tradition as custom, society comes to be governed according to abstract principles formulated for that purpose. Traditional religious beliefs often decline in importance, and distinctive cultural traits are often lost.

Name - Shreya Saxena 10 A

Yoga for Peace and Harmony

Yoga is a form of exercise that originated in ancient India. Many People are practiced it far thousands of years. The act of Yoga consists of many parts known as 'Asana' that have different Physical benefits. It is said that if a person practices yoga, he Or She will become healthier. Therefore, many countries have adopted yoga a farm of exercise.

Yoga is the ultimate act of harmony between one's Physical existence and spiritual conscience. The Perfect Synchronization between the mind and the body is known as yoga. More than a physical farm of exercise, it is considered as a spiritual act that makes you aware of yourself. The deep introspection that we do when our mind relaxed makes us feel connected to our inner selves.

"Yoga is a way of living towards a healthy mind in a healthy body.

Name- Rifah Ali 10th -A

Faces of Life

* Life is like a BOOK.
Everybody is a new page with lessons.
*Life is like a COIN.
Spend it anyways but can only spent it once.
*Life is like a STAIRCASE.
You have to go up to reach the top.
Life is like a PIANO.
While Keys are happy moments & Black are
sad moments.
*Life is like a BOAT.
In beginning its fun, in middle it's adventure & in the end of journey it's relief.
* Life is like a BICYCLE.
Keep Balance, Keep moving.
* Life is like a MIRROR.
Smile at it & it smile back at you.
Life in like a GIFT

Never forget to enjoy & bask in every moment.

B. R. Ambedkar

- Babasaheb Ambedkar is known as Bhimrao Ramji Ambedkar was a social reformer and inspired the Dalit Buddhist Movement in India.
- He is the father of the Indian Constitution and the brain behind the drafting of the Indian Constitution.
- He was the first law minister of Country in the year 1947
- He renounced Hinduism and became Buddhist in the year 1956.

Name- Karishma X 'A'

THE AIM OF LIFE

I am sure every boy and girl has to encounter such questions from elder people. They would ask a teenager, "What is your aim in life my son?". To such questions, you generally reply that you want to become a doctor or an engineer or a leader, so on and so forth. Yet, think for a while. Is it the aim of life or a means of livelihood? None of these can ever truly be the aim of life. Since many people have made their jobs their aims of life, much trouble has cropped up.

So, do not make your career your aim of life. I cannot suggest what this aim should be. All that can be said is that it should be something very high like a star in the sky. Take an example. What was Mahatma Gandhi's aim in life? Some of you might say that it was the freedom of India which is not true. He was a sad person on the day of India's independence. Arundhati Roy wrote a novel, became famous and got a lot of money. Then she gave up all her time and energy to serve the poor. What is her aim? So make your own aim and live for it.

Name- Dhruvi Trivedi 8-B

Teachers

Teachers are our second parents
We learn many things from them
They give us a gift of education
They teach us Science, Maths, Hindi
and English translation
They help us in every situation
They have all problems solution
They teach us to give our introduction
They teach us to choose correct option
They gives us traffic caution
They are our future imagination
Teachers are our guide
They never teach us to hide.

Name- Kavya Shankhadhar 9th A

TEN Random Facts

1. We normally blink 22 times minute but while using computer or phone we blink only 12 to 15 times.
2. Whales were actually dog sized land animals. They were known as Pakicetus.
3. The closest living relatives of Tyrannosaurus (TRX) a species of Dinosaurs is a chicken
4. There are 1,248 Kendriya Vidyalayas all over India. In a recent study there are total 13, 88,899 students. And we are one of them.
5. The coldest temperature to be found is -273.15 Celsius. At this temperature particles become motion less.
6. Being the second largest planet, Saturn is the lightest planet.
7. The strongest muscle in the human body is our tongue.
8 .New born baby don't shed tears they just cry. They shed tears after 3 months or before.
9. Kumbh Mela is visible from space.
10. India has wettest inhabitated place on the Earth

Name - Darsh 7th B

SPORTS AND GAMES ARE THE BETTER WAY TO RESOLVE A CONFLICT

Sports and games have been a part of our life for ages. Games and sports are a better way of resolving conflicts between two countries than wars. As wars bring destruction make children orphan and wives widows. It kill hundreds Ohh!!! Thousands of people, and also hinder the progress and prosperity of a nation as well as the people of the country. Wars never lead to the solution of the problem but gives way to new wars. Conflicts can be ended or solved by playing games in a peaceful manner. A soldier never wants to move to war. He wants the war to be over. They want peace to prevail. They want to finish the war as early as possible and want to go back to their homes and enjoy their whole life with their family in a peaceful manner. So, conflicts should be ended by playing games. As a game can simply decides the winner and the looser, it does not bring destruction like that wars bring. So, as a result we should never move to war and solve the problems by peaceful solution like playing games and sports.

Name- Shreya Gautam VIII 'C'

Back to School

Summer is over, fall is here. Back to school for a brand new year! Pack your things, on the bus you go. Make new friends and say hello! Reading, writing, learning more. Than you ever did before!

Adding numbers ……. 1, 2, 3 So much to do, and learn, and see!

I'm so glad to meet everyone. Get ready for a year of Fun!

Tanishka III 'B

Life through the Eyes of a Mathematician

Mathematics is in every aspect of our lives; from a mother-child relationship to a person's everyday needs. The emotional distance between a mother-child can be minimized, i.e. there exists a Delta>0 for which we have Epsilon>0. A mother always tends to a child who is limit to her.

Every person has ∞ desires to fulfill despite knowing the fact that ∞ is not a real number. Human beings generally behave like a modulus function as they react positively or negatively according to the circumstances or people around them; whenever a person looking forward to a positive outcome from a situation he takes the positive values otherwise he chooses to remain indifferent by taking negative values.

Friends are like limitless functions separately but together they become a constant function. College students resemble 'unlike terms' of algebra, that is, until the lunch break. The cafeteria then becomes their limit point of enjoyment as there exists a lot of points in that interval of time. A group of friends is like an integral domain because of the absence of zero divisors which implies there exists two friends such that (1st friend × 2nd friend)= 0 as their love for each other makes them an identity together.

Teachers are synonymous with integration as they increase the capabilities of a constant student with their Knowledge and magnify a student's capabilities.

The most important lesson Mathematics teaches us is the will to never give up as every problem has a solution.

Twinkle twinkle
Litter star,
I wanna hit my problems,
With a car.

Throw my stress
Off a cliff so high,
Hope the break
Their neck and die

Name- Mohd. Uzair 7A

Poem-Moral Teaching

The old man,
The old woman,
Parental guidance,
With the bond of trust:
And, moral values.
Teach the children the truth and.
Let them grow in the faith!
In the name of positive moral teaching.

Name -Yash Kumar Jauher V 'A'

DON'T TELL (POEM)

There are lots of things.
They won't let me do
I'm not big enough yet,
They say.
So I patiently wait
Till I'm all grow-up;
And I'll show them all,
One day.

Compilation By: Name-Vanshika Gautam V 'C'

The foolish farmer

Bhola was a farmer. He grew cotton in his farm. One day he took a bale of cotton to the market to sell it.   Nobody bought this cotton. Everyone said that his cotton was dirty. On his way back he saw a goldsmith. He saw putting gold into the fire. Bhola asked him," What are you doing?" He replied that he was cleaning his gold. Bhola returned home. He lit of fire and put his cotton into it. He wanted to clean it but it was reduced to ashes.

Moral of the story-- We should not do any work without thinking about its consequences.

Name – Shumaisa V 'A'

YOGA TADASANA

Tadasana { from the Sanskrit words "tada" meaning "mountain," & "asana" meaning "pose" } is a basic yoga pose where the yogi plants their feet on the ground as their body stands firm & straight.

Jadasana, sometimes called mountain pose, if often used as a foundational pose or

The warrior poses.

Benefits of Tadasana,

Although a basic standing pose, tadasana have many benefits, such as,

It promotes body awareness, Tadasana involves keeping your body actively aligned, which requires a degree bodily awareness.

It strengthens lower body, Tadasana engages your lower body & can help your ankles, knees & glutes

It provides a foundation for other asanas, Tadasana is a starting point for many standing yoga postures. Learning how to do tadasana properly can help establish a more study, & proper foundation for both beginning &advanced moves.

Nishtha Shukla   XII 'C'

Science Fact

1) Which animal has no red blood?
Ans: - Spider.

2) Which animal gives pink milk?
Ans Hippos.

3) Which animal has no brain?
Ans -: Conals and jelly fish.

4) Which animal has 32 brains?
Ans-: Leeches.

5) Which animal has 9 hearts?
Ans: - Octopus.

6. The milk of which animal is black in color?
Ans Black Rhinoceros.

7) Which animal never sleeps?
Ans: - Bullfrog

8. Whicjh animal never dies?
Ans: - Jelly fish.

9. Which is the largest animal in the world?
Ans: - Blue Whale

10. Which animal dies after drinking water?
Ans. Kangaroo Rat.

11) Which sea animal blood is blue in colour?
Ans Octobus.

2) Which insect can live without its head for a week?
Ans:-Cockroach.

13) Which animal cannot physically see towards the sky?
Ans: - Pigs.

14) Which is the smallest bird in the world?
Ans: - Hummingbird.

15) Which is the only bird that can fly backwards?
Ans: - Humming bird.

16) Which is the largest bird in the world?
Ans: - Ostrich

17) Which animal has three eyes?
Ans: - Tuatara.

18) What kind of creature is that which dies after giving birth to baby?
Ans: - Scorpion / Octopuses.

(19) Which animal can see even with its closed eyes?
Ans: - Snakes

20) Which bird cannot fly?
Ans: - Penguins.

Name – Anupriya Verma IV

(Second Shift)

The Lake Isle of Innisfree

I will arise and go now, and go to Innisfree and a small cabin build there, of clay and wattles made:

Nine bean - rows will I have there, a hive for the honey Bee, and live alone in the Bee-loud glade
And I shall have some Peace there, for Peace comes dropping slow
Dropping from the veils of the morning to be the cricket Sing.
There midnight all a glimmer, and noon a Purple glow, and evenings full of the linnet's wings.
I will arise and go now for always night and day. I hear the lake water lapping with low Sounds by the shore. While i stand on the roadway, or on the Pavement grey I hear it in deep heart's core.

Compilation By:- Sakshi Rao

Poem- Friendship

Either winter or monsoon, spring or summer,

Think Unsinkable ship,

Floats forever. This is my lifeboat. On which I Can Survive.

It is warmer than anything else and has always helped me to Revive.

Anamika Trivedi IX E'

The happiest day of your life?

School days should be a happy time in a young person's life. What can make people's lives a misery during this time, then? In my opinion there is no word which answer this question "bullying"

Unfortunately, bullying is quite common in school where I live. It can affect students of any age, and both boys and girls. A friend of mine had a very negative experience at school last year as an older boy continually called him names and sometimes used to post nasty messages about him on Facebook. Obviously, my friend felt very upset about this and it affected his self-confidence. Some days, he didn't want to come school at all.

What can people do to stop this problem? Personally, I think teachers used to be aware about bullying may be happening in their classes and be very strict when they have a case of bullying. Another thing teachers could do is prepare lessons to talk about the problem with their pupils which might make bullies realize how badly they hurt their victims, as for students, if they find out a classmate is being bullied, they should support them as much as possible and let a teacher know.

Bullying can be nightmare but there are things we can do to prevent it, hopefully, one day! All students will be able to go to school without fear of being bullied.

By-Preetam class IXth (E)

Poem- Dignity

You get dignity When You stop thinking wrong

When you do what you learn right

You can live dignified, when you live in a lifestyle that matches your Vision

You can get dignity When You Renounce the "ego of individuality"

And rejoice ups and down of life.

There is dignity

When you have good thoughts, in your heart and mind.

Anamika Trivedi IX. E

Riddles

1. During which month do people sleep the least?

Ans: February, of course!

It only has a maximum of 29 days

2- I Shout but never kill (What am I?)

Ans: Camera

3- You see me Once in June, Twice in November, and Not at all in may

Ans: The letter 'E'

4- I am delicious way of representing data.

Ans: Pie chart

5- How can a man survive eight days without sleep?

Ans: He should just sleep at night.

6- I am a bird, I am a fruit and I am a person. What am I?

Ans: Kiwi

Kiwi: A Person from New Zealand

Kiwi: A New Zealand bird with a long beak, short wings and no tail

Kiwi: A small fruit with thin brown skin covered with small hairs.

Name- Nivi verma Class X D

Seven Friend Forever like Seven Wonders

If One is the great wall, great face of other's

Then the other one is described by her whiteness

If The Third one is working like a moniter, like in the altitude of Brazil!!

Then the other one's big heart is like Peru!

If the beauty of fifth one's words, is like workmanship of Chichen itza!

Then the design of sixth one's heart is amazing, unique, like Rome!

The last one is the capital of this smallest empire of dream and passion!!

Name- Ilma 10B

Mysterious library

Quiet little library,

Noone knows the mystery,

When the doors are opened,

The quiet library shows its joyness, By giving us thoughtful books,

Too many books here and there, English, Hindi, Sanskrit, Maths, Science, History,

Civics, Geography, The thoughtful moral value stories but,

The most special book is THE DICTONARY with

lots of words.

Quiet little library but,

Knowone knows the mystery,

The most mysterious library is inside us,

It is the library of the knowledge we have gained.

It is very beautiful,

Just like our dream library,

It has so many thoughts and some secrets too.

Name- Astha Rai 9'A'

संस्कृत अनुभाग

संस्कृत अनुभाग
अनुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
	प्रथम पाली	
1	अनुशासनम्	62
2	अस्माकं विद्यालयः	63
3	कः किम् कर्त्तुम न शक्तः/ क्रीडानां नामानि	64
4	सर्वेभ्यः शिक्षकेभ्यः शिक्षिकाभ्यः च समर्पितम्/ जिज्ञासा	65
5	चलदूरभाषयन्त्रं/ जल संरक्षणम्	66
6	डॉ. भीमराव अम्बेडकर	67
7	नीतिश्लोकः/ पर्यावरण रक्षा	68
8	प्रहेलिकाः/ प्रियम् माता	69
9	भारतीयः कृषकः	70
10	मम दिनचर्या/ मम प्रियं पुष्पं	71
11	मम मातृभूमिः/ योगस्य महत्वम्	72
12	राष्ट्रीय ध्वजः/ वृक्षाणाम् महत्वम्	73
	द्वितीय पाली	
13	देश प्रेम कविता/ संस्कृत भाषा में ध्येय वाक्य	74
14	एहि एहि वीर रे (संस्कृत)/ श्लोक	75

(प्रथम पाली)

अनुशासनम्

1 अस्माकं जीवने अनुशासनस्य महत्वपूर्ण स्थानम् अस्ति।

2 अनुशासनस्य शब्द 'अनु' उपसर्गपूर्वक शासनम् शब्देन निमितं अस्ति।

3 शासनस्य कृते अनुशासनं परमावश्यक अस्ति।

4 अनुशासनस्य अर्थमस्ति शासनस्य अनुसरणम्।

5 जीवनस्य प्रत्येक अस्मिन क्षेत्रे कतिपयानां नियमानां पालनं आवश्यक वर्तते।

6 यः देशः अधिकम् अनुशासन परिपालयति सः एव देशः उन्नतिपथं गच्छति।

7 अनुशासनं हि कस्यापि देशस्य महत्वपूर्ण बलं वर्तते।

8 अनुशासन अभावे छात्राः सफलतां न प्राप्नुवन्ति।

9 अनुशासनहीनाः छात्राः बहुमूल्य समय विनाशयन्ति।

10 अनुशासने पालिते सर्वत्र सुव्यवस्था भवति।

11 अनुशासन समाजस्य कल्याणाय उन्नत्यै च आवश्यकं भवति।

12 अतएव अनुशासनम् अत्यावश्यकं सर्वेश्च परिपालनीयम्।

अपूर्वा श्रीवास्तव 9 स

अस्माकं विद्यालयः

अस्माकं विद्यालस्य नामः केन्द्रीयः विद्यालयः ओ.सी.एफ शाहजहाँपुरः अस्ति। अस्माकं विद्यालयः बहवः सुन्दरः अस्ति अस्माकं विद्यालयः विशालः अपि अस्ति। अस्माकं विद्यालये एकम् सुन्दरम् उद्यानम् अस्ति। अस्मिन् उद्याने अनेकाः प्रकारः पुष्पाणि सन्ति। अस्माकं विद्यालयः परितः अनेकाः वृक्षाः सन्ति। अस्माकं विद्यालये एकः पुस्तकालयः अपि अस्ति। पुस्तकालय अपि अतीव सुन्दराणि अस्ति। अस्माकं विद्यालये बहवः छात्रः अस्ति। अस्माकं विद्यालये सर्वे अध्यापकाः अध्यापिकाः च स्नेहेन पाठ्यन्ति। मम विद्यालयस्य प्रधानाचार्य तु अत्यधिकं सरल स्वभाव अस्ति। अस्माकं विद्यालये छात्रः न केवलम् पठन्ति अपितु अनेकाः कार्यम् अपिकुर्वन्ति।

वैष्णवी रस्तोगी- ९ स

कः किम् कर्त्तुम न शक्तः

अन्धः किमपि न द्रष्टुम शक्तः
पंगु क्कापि न चलितुम् शक्तः ।
मूकः किमपि न वक्तुम शक्तः
बधिरः श्रोतुम् भवत्यशक्त : ॥
मूढः बोध्दूम् न भवति शक्तः
न चापि भीरुः योध्दुमू शक्तः ।
शयने रोगी भावत्यशक्तः
दीनः किमपि न दातुम् शक्तः।।
वृद्ध न भारं वोदुमू शक्तः

ईर्ष्यु किमपि न सौढुम् शक्तः ।
नैव धावितुमू स्थूलः शक्तः
लोभी शान्त्या स्वपितुमशक्तः ॥
आलसः मूर्ख निद्रायुक्तः
कार्यम् किमपि न कर्तुम शक्तः ।
सदैव मिथ्याचरणे शक्तः
नैव स सत्यं द्रष्टुम शक्तः ।।

गुनी बाजपेई 9 स

क्रीडानां नामानि

गेंद- कंदुकम्
वॉलीबॉल- हस्तकन्दुकम्
शतरंज- चतुरङ्गः
जूडो- नियुद्धम्
फुटबॉल- पादकन्दुकम्
क्रिकेट- क्रिकेटं/ कंदुकक्रीडा
हॉकी- यष्टिकंदुकम्
कुश्ती- मल्लयुद्धम्
टेबल टेनिस- उत्पीठिका कंदुकम्
कबड्डी- कबड्डी

अदिति

कक्षा- 7 ब

सर्वेभ्यः शिक्षकेभ्यः शिक्षिकाभ्यः च समर्पितम्

यः करोति देशानाम् निर्माणम्
किम् अस्ति तत पदम्
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यस्य छायायाः प्राप्तम् ज्ञानम्।
किम् अस्ति तत् पदम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः रचयति चरित्र जनानम्
'गुरु' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरुणाम् मम शत-शत प्रणामः
।।

ध्रुवी -8 ब

जिज्ञासा

यदि त्वं जीवितुमिच्छसि किं कर्तव्यम्?
तर्हि जीवनेन सह संघर्ष कुरु।
यदि त्वं त्यक्तुमिच्छसि किं कर्तव्यम्?
तर्हि त्वम् दुर्गुणम्।
यदि त्वं वक्तुमिच्छसि किं कर्तव्यम्
तर्हि सत्यं वद।
यदि त्वं किमपि ग्रहीतुमिच्छसि?
तर्हि आशीर्वादं गृहणातु।
यदि त्वं किमपि दातुमिच्छसि?
तर्हि ज्ञानदानं कुरु।
यदि त्वं किमपि कर्तुमिच्छसि?
तर्हि उद्यमं कुरु।

आशुतोष 8 ब

चलदूरभाषयन्त्रं

चलदूरभाषयन्त्रं हिन्दी भाषे मोबाइल फोन अपि कथ्यते।
अधुना सर्वाणि कार्याणि चलदूरभाषयन्त्रं सम्पन्नं भवति।
वस्त्रपुटके रूप्यकाणाम् आवश्यकता न भवति। पासबुक चैकबुक इत्यनयो आवश्यकता न भविष्यति । पठनार्थं पुस्तकानां समाचार पत्राणाम् अनिवार्यता समाप्त प्रायाः भविष्यति। अपरिचत मार्गस्य ज्ञानार्थम् मार्गदर्शकस्य मानचित्रस्य आवश्यकतायाः न अनुभवति।
सर्वाणि कार्याणि एकमात्र चलदूरभाषयन्त्रे साधयितुं भवति ।
शाकादिक्रयार्थम।, फलक्रयार्थम्, चिकित्साल्ये शुल्कं प्रदातुम् विद्यालये, महाविद्यालये चापि शुल्कं प्रदातुम् किं बहुना दानमपि दातुम् चलदूरभाषयन्त्रमेव अलम्।
परम् चलदूरभाषयन्त्रे केचन हानिः अपि अस्ति। यत् सर्वे जनाः चल दूरभाषयन्त्रे निर्भर भवामि। सर्वे जनाः आलस्यं जीवनं व्यतीत करोमि।
सर्वे यन्त्रे केचन लाभः केचन हानिः भवति। किन्तु चल दूरभाषयन्त्रेन सर्वे जनाः सौकर्येण जीवनं व्यतीतं करोमि ।

श्रेया सक्सेना 10 अ

जल संरक्षणम्

जलम् एव जीवनम् अस्ति।
अस्माकं जीवने जलस्य अति आवश्यकता वर्तते।
पृथिव्याः जीवानां कृते जलम् आवश्यकं तत्वम् अस्ति।
जीवाः अपि इदम् जलम् पीत्वा जीवन्ति ।
नदीनाम् जलम् पवित्रं भवति।
जलेन क्षेत्राणां सिञ्चन भवति।
जल संरक्षणाय वर्षाजलस्य संग्रह अति आवश्यकं अस्ति।
जल संरक्षणाय जलस्य मुख्य स्रोतः नदी, तडाग, सरोवरस्य च स्वच्छता अनिवार्यम् अस्ति।
जलं विना अस्माकं जीवनम् असम्भवं अस्ति।
जलं एव जीवनस्य मुख्य आधारः अस्ति।
अतएव अस्माकं कर्तव्यं अस्ति यत् जलस्य संरक्षणसंवर्धनम् च भवेत्।

मोहम्मद सुहेल अहमद 6 अ

डॉ. भीमराव अम्बेडकर

भारतीय सविधानस्य शिल्पी डाँ भीमराव अम्बेडकर महोदयस्य जन्म 1891 ख्रीष्टाब्दे अप्रैलमासस्य 14 दिनांके महाराष्ट्रस्य अम्बाबाड़े नामके स्थाने अभवत् । अस्य जनकः रामजी सकपालः जननी च भीमाबाई आसीत। भीमरावः स्वाग्रजेन आनन्दरावेन सह प्राथमिकी शिक्षा प्रथमं डापोली अनन्तर सतारा नामके स्थाने प्राप्तवान सतारायाम अध्ययनकाले एव अम्बाबेडकर नामकस्य प्रिय शिक्षकस्य स्नेहेन प्रभावितो भूत्वा अम्बेड़कर इति नाम भीमरावः स्व नाम्ना सह योजितवान् ।

समाजे विद्यमानानां कुरीतिनां समाप्तिः भवेत् एतदर्थं भीमरावः बाल्यकाल आदेव संघर्षम् आरब्धवान्।

1924 तमे वर्षे बहिष्कृत हितकारिणी सभायाः स्थापनं कृतवान्।

1931 तमे वर्षे महात्मा गांधीवर्येन सह लंदनमध्ये आयोजिते गोलमेज कान्फ्रेंस इत्याख्यां सभायां सः भागं गृहीतवान्। 15 अगस्त 1947 तमे वर्षे यदा भारत स्वतन्त्र अभवत तदा नेहरू महोदयस्य मन्त्रिमण्डले विधिमन्त्री पदं प्राप्तवान् अनन्तरं संविधान सभायाः अध्यक्षः अभवत्।द्विमासानन्तरम्दिसम्बरमासस्य 6 दिनांके 1956 तमे ख्रीष्टाब्दे देहल्या 26 अलीपुरमार्गे स्थित आवासे इह लीलां समापितवान्। डॉ. अम्बेडकर अद्यापि सर्वेषां श्रद्धापात्रम्।

आर्यावर्मा 8 स

नीतिश्लोकः

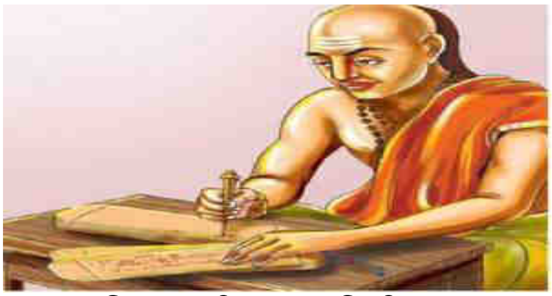

गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति
ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः।
सुस्वादुतोयाः प्रभवन्ति नद्यः
समुद्रमासाध भवन्तयपेयाः।।

साहित्यसङ्गीत कलाविहीनः
साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः
तृणं न खादन्नपि जीवमानः
तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विधा यशो बलम्
तयोनित्यं प्रियं कुर्याद् आर्चस्य च सर्वदा।
तेष्वेव त्रिषु तुष्टेपु तपः सर्व समाप्यते।।

मानवेन्द्र सिंह यादव ८ अ

पर्यावरण रक्षा

वयं वायुजलमृदाभिः आवृत्ते वातावरणे निवसामः।

अस्माकं परितः वातावरणं पर्यावरण कथ्यते। पर्यावरणेन वयं जीवनोपयोगि वस्तुनि प्रधानमः। जलं वायुः च जीवने महत्वपूर्णो स्तः। साम्प्रतं शुद्ध- पेय- जलस्य समस्या वर्तते। अधुना वायुरपि शुद्धं नास्ति। अस्माकं परितः अशुद्धः वातावरणं एवं अवकर भण्डारं दृश्यते। एवमेव प्रदूषित पर्यावरणेन विविधाः रोगः जनयते। पर्यावरणस्य रक्षायाः अति आवश्यकता वर्तते । प्रदूषणस्य अनेकानि कारणानि सन्ति। पर्यावरण रक्षायै वृक्षाः करणीया। वयं नदीषु तडागेषु च दूषितं जलं न पतेम्। तैलं वाहनानां प्रयोगः करणीय। सर्वे जनाः वृक्षाः रोपणम् अभिरक्षणं च कुर्युः।

आराध्या पाल 9 अ

प्रहेलिका:

1 वने बसति को वीरोयो अस्थि माँस विवर्जितः।

असिवत् कुरुते कार्य, कृत्वा वनं गतः।।

2 न तस्यादि: न तस्यान्तः मध्ये यः तस्य तिष्ठति।

तवाप्यास्ति ममाप्यस्ति यदि जानासि तद् वद।।

3 एक चक्षुर्न काकोयं बिलमिच्छन न पगम्।

क्षीयते वर्धते चैव च समुद्रो न चंद्रमा।।

4 प्रकाशः शीतलः यस्य यः कलाभि: च वर्धते।

ताप हरति सर्वेषां चकोरस्य प्रियः सः कः।।

उत्तराणि- 1 कुम्भकारस्य सूत्रम्

2 नयनम्

3 सूचिका सूत्रम्

4 चन्द्रः

सिमरन 9 अ

प्रियम् माता

माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार,

न त्वया सदृश्य कस्याः स्नेहम्।

करुणा- ममतायाः त्वम् मूर्ति,

न को अपि कर्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्ति।

तव चरणयोः मम जीवनम् अस्ति।

माँ शब्दस्य महिमा अपार,

न माँ सदृश्य कस्याः प्यार,

माँ त्वम् संसारस्य अनुपम उपहार।

पखुंडी श्रीवास्तव 8 अ

भारतीयः कृषकः

भारतदेशः कृषिप्रधान देशः अस्ति।

अत्र कृषकाणां संख्या सर्वाधिक वर्तते।

अधिकाशाः कृषकाः ग्रामेषु निवसन्ति।

कृषकस्य परिश्रमेण राष्ट्रस्य पोषणं भवति।

शीतकालेः ग्रीष्मे या वसन्तकाले को अपि ऋतु भवति कृषकाः सर्वदा निज कार्य करोति।

कृषकाः पादयोर्न पदत्राणे नास्ति, शरीरे शोभनम् वसनानि नास्ति तथापि कृषिकाणां कर्मवीरत्वं न नश्यति।

ते सूर्योदयात् पूर्वम् एवं शयनात् उतिष्ठन्ति।

कृषकाः निज परिश्रमेण पृथिव्याः सरसा करोति।

कृषकाः अस्माकं अन्नदाता, तस्य जीवनम् सर्वाधिकं श्रमपूर्ण अस्ति।

अतः तेषाम् अत्यन्तं महत्वम् अस्ति।

मुदित त्रिवेदी 10 ब

मम दिनचर्या

प्रत्येकमानवस्य दिनचर्या पृथक- पृथक भवति।
मम दिनचर्या अपि पृथक अस्ति।
अहं प्रत्येक दिनं प्रातः पञ्चवादने उठिष्यामि ।
अहं एकः छात्राः अस्मि।
अहं स्वमित्र अदिति सह भ्रमणाय गच्छामि
भ्रमणानन्तरम् अहं स्नानं करोमि।
अहम नवमी कक्षायाम् पठामि।
अहम् प्रतिदिनं प्रातः स्नानं करोमि।
अहम् प्रतिदिनं विद्यालयं गच्छामि।
विश्राम कृत्वा विद्यालयस्य गृहकार्यं पूर्णं करोमि।
अहं भोजनं कृत्वा दूरदर्शनं पश्यामि।
दशवादने शयनाय गच्छामि।
एषा भवति मम दिनचर्या।

यशिका कश्यप 9 ब

मम प्रियं पुष्पं

1 मम नाम आर्यन सेठ अस्ति।
2 पाटलपुष्पम् मम प्रियं पुष्पं अस्ति।
3 अस्माकं गृहे अनेकाः पाटलपुष्पानि सन्ति।
4 पाटलपुष्पम् एकम् बहुसुगंधित पुष्पम् अस्ति।
5 पाटलपुष्पम् वर्णाः अनेकाः : प्रकारः सन्ति यथा- श्वेतः वर्णः, रक्त वर्णः, पीत वर्णः।
किन्तु मह्यं रक्तवर्णः पाटलं सर्वाधिक रोचते।
6 पाटलपुष्पम् एकम् मनोहारी पुष्पं अस्ति।
7 पाटले अनेकाः कण्टका भवति।
8 अनेकः जनाः देवालयेषु पाटलपुष्पानि अर्पयन्ति।
9 पाटलपुष्पेन इत्रानि, गुलाब जलानि, गुलकन्दानि इत्यादि निर्मीयन्ते।
10 पाटलपुष्पम् गृहस्य शोभां वर्धयते।
11 मह्यम् पाटलपुष्पम् अतीव रोचते।

आर्यन सेठ 7 ब

मम मातृभूमिः

श्लोक नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे त्वया हिन्दुभूमे सुखं वर्धितोहम :|

महामङ्गले पुण्यभूमे त्वदर्थे
पतत्वेषकायो नमस्ते नमस्ते ।
प्रत्येक मानवः निज मातृभूमें सर्वाधिक प्रेम करोति तस्य निज जननी सदृश्य सम्मानं ददति
अस्माकं मातृभूमि स्वगदिपी गरीयसी अस्य अन्न जलेन अस्माक पालन – पोषण भवति। मातभमे वयं निज माहत्वया छवि वर्धते च अनेकाः प्राकृतिक विपदाम असमाक रक्षा करोति अस्य मातृभमें रामः रहीमः कबीरः ' कृष्णः नानकः इत्यादि सन्तः महात्मा जनयति । मातृभूमेः वय वृक्षाः : अषधयः इत्यादि उपहार : पर्वतः नद्य ददाति।
मम मातृभूमि ताजमहल लालकिला सारनाथ, शिमला, मसूरी इत्यादि स्थलः अस्ति।
अस्य पश्याय पयटिक दूर देशन आगच्छति । वयं निज मातृभूमेः शक्षितुम् निज सर्वस्य न्योछावर करणीय सर्वदा तत्पर भवितु। :

माही – 9 स

योगस्य महत्वम्

श्लोकःयोगेनचितस्य पदेन वाचां -
मलं शरीरस्य च वैधकेन
योअपाकरोत्तमं प्रवरं मुनीनां
पतञ्जलि प्राञ्जलिरानतो अस्मि।

योगः कर्मसु कौशलम्। अधुना निखिलम् विश्वम् अपि जून मासस्य एकविंशतिः तिथि योगदिवसः इति मन्यते। समस्तदेशाः अधुना योगस्य महत्वम् स्वीक्रुवन्ति ।
योगः शब्दः संस्कृतभाषाणां युज शब्दः गृहीयते। योगः शरीरे, मनः, आत्मा नियंत्रितं करोति। प्रतिदिनम् प्रातः सायं योगम् पूजनीयम्। केवलम् योगेन वयम् स्वस्थः भविष्यामः। शारीरिकम् मानिसकम् च पुष्ठये योगः महत्वपूर्णम् अस्ति।

शुभांक – 8 अ

राष्ट्रीय ध्वजः

अस्माकं देशस्य ध्वजः त्रिवर्ण कथ्यते। अस्माकं ध्वजः त्रय वर्णाः सन्ति। केशरवर्णः, श्वेतःवर्णः, हरितः वर्णः इत्यादि। सर्वे वर्णाः पृथकपृथक महत्वम् सन्ति। - :ध्वजस्य उपरि स्थितः केशरवर्णः -केशरवर्णः । मध्ये स्थितः श्वेतवर्णः :त्यागस्य उत्साहस्य च सूचक स्थितः हरितवर्णः :शुचितायाः च सूचकः। अधः पृथिव्याः सुषमायाः उर्वरतायाश्च सूचक।:
ध्वजस्य मध्ये एकं नीलवर्णं चक्रं अपि अस्ति। इदं चक्रं अशोक चक्रं कथ्यते। इदं अशोकचक्रं प्रगतेः न्यायस्य च सूचक। इदं चक्रं सारनाथे स्थितः अस्ति।:
अशोक चके चतुर्विंशति अरा सन्ति। राष्ट्रध्वजः भारत गणराज्यस्य प्रतिनिधित्वं करोति। सर्वे :प्रमुख राष्ट्रीय पर्वयोः राष्ट्रीय ध्वजारोहणं भवति । अस्माकं त्रिवर्णः ध्वजः स्वाधीनतयाः राष्ट्रीयगौरवस्य च प्रतीकः। स्वतन्त्रता दिवसे गणतन्त्रदिवसे च अस्य ध्वजस्य उत्तोलनं समारोहपूर्वकं भवति।

रिफाह अली 10 अ

वृक्षाणाम् महत्वम्

1 वृक्षाः मनुष्यस्य जीवने अति महत्वपूर्णसन्ति। :
2 अस्य बिना अस्माकम् जीवनम् असभंव अस्ति।
3 वृक्षाः अस्माकं मित्राणि सन्ति।
4 वृक्षाः अस्माकं वातावरणम् शुद्धम् करोति।
5 वृक्षेभ्य कारणात् वृष्टि एव भवति।
6 फलानि, पुष्पाणि काष्ठकम्, पत्रम् दत्वा वृक्षाः जनाः उपकारं करोति।
7 वृक्षाः जन्मतः मृत्युपर्यन्तम् जीवानां हित करोति।
8 वृक्षाः कार्बनडाइऑक्साइड वायोः गृहीत्वा ऑक्सीजन जनयन्ति यो अस्माकं जीवनाय अति आवश्यकी
9. वृक्षाः सर्वस्य जीवनस्य आधारं अस्ति।
10 येषां रक्षा अस्माकं प्रथम कर्तव्यः।
अत " -एवं उक्तञ्च :परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः, परोपकाराय वहन्ति नद्यः।
परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकाराय इदम शरीरं।

सामिया हुसैन 8 अ

(द्वितीय पाली)

देश प्रेम कविता

ॐ भद्रमिच्छन्त ऋषयः
स्वर्विदस्त्पो दीक्षामुपनिषेदुराग्रे |
ॐ भद्रमिच्छन्त ऋषय:
स्वर्विदस्त्पो दीक्षामुपनिषेदुराग्रे ।
ततो राष्ट्रं बलमोजश्च जातं तदैस्मै
देवा उपसन्नमंतु ||
हिमालयं समारभ्य यावत् इंदु सरोवरम् ।
हिमालयं समारभ्य यावत् इंदु सरोवरम् |
तं देवनिमितं देशं हिंदुस्थानं प्रचक्षते ||
यस्मिन् देशे न सन्मानो न प्रीति र्न च बान्धवाः ।
यस्मिन् देशे न सन्मानो न प्रीति र्न च बान्धवाः |
न च विद्यागमः कश्चित न तत्र दिवसं वसेत् ॥

अलीशा बानो
कक्षा-८ -ई

संस्कृत भाषा में ध्येय वाक्य

केन्द्रीय विद्यालय संगठन - तत् त्वम पूषन् अपावृणु ।
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड - असतो मा सद् गमय ।
जवाहर नवोदय विद्यालय - प्रज्ञानम् ब्रहम्।
सैन्य विद्यालय - युद्धम् प्रगायय।
एन० सी० ई० आर०टी० - विद्ययाऽमृतमश्नुते ।
भारत सरकार - सत्य मेव जयते ।
उच्चतम न्यायालय- यतो धर्मस्ततो जयः ।
भारतीय प्रशासनिक सेवा अकादमी - योगः कर्मसुकौशलम् ।
थल सेना - सेवा अस्माकम् धर्म: ।
वायु सेना - नभः स्पर्शम् दीप्तम् ।
जल सेना - शं नो वरुणः ।
विश्व विद्यालय अनुदान आयोग - ज्ञान विज्ञानम् विमुक्तते ।
वास्तव में संस्कृत प्राचीनम, भाषा के साथ-साथ भारत की नींव है।

तेजस्वी व्यागी
कक्षा आठवीं 'द'

एहि एहि वीर रे (संस्कृत)

एहि एहि वीर रे वीरतां विधेहि रे
भारतस्य रक्षणाय जीवनं प्रदेहि रे ||
त्वं हि मार्गदर्शक:
त्वं हि देशरक्षक:
त्वं हि शत्रुनाशक :
कालनागतक्षक: ।।
साहसी सदा भवे: वीरतां सदा भजे
भारतीयसंस्कृतिं मानसे सदा धरे : ॥
पदं पंद मिलच्चलेत्
सोत्संह मनो भवेत्
भारतस्य गौरवाय
सर्वया जयो भवेत् ॥
एहि एहि वीर रे वीरतां विधेहि रे
भारतस्य रक्षणाय जीवनं प्रदेहि रे ।।

अर्थ:- हे वीरों आओ अपनी वीरता को जानो और भारत की रक्षा के लिए अपना जीवन देश के नाम कर दो। तुम्ही रास्ता दिखाने वाले हो, तुम्ही देश की रक्षा करने वाले हो, तुम ही दुश्मनों को मिटाने वाले हो और तुम ही देश प्रमे को बढ़ाने वाले हो ।

हमेशा साहसी बनों, वीरता की गाथाएं सुनें, भारत की संस्कृति को हमेशा अपने मन में रखें ।

कदम से कदम मिलाते हुए, जोश में रहकर, अपने मन को भारत के गौरव के लिए और देश की आन-बान-शान के लिए हमेशा युद्ध जीते। हे वीरो आओ, अपनी वीरता को जानों और भारत की रक्षा के लिए, अपना जीवन देश के नाम कर दो ।

नाम -प्रतिभा देवी
कक्षा 9 -द

श्लोक

यस्तु संघरते देशान् यस्तु सेवेत पण्डितान् ।
तस्य विस्तारिता बुद्धिस्तैलबिन्दुरिवाम्भसि ।।

अर्थ :- जो व्यक्ति भिन्न-भिन्न देशों में यात्रा करता है और विद्वानों से सम्बन्ध रखता है । उस व्यक्ति की बुद्धि उसी तरह होती है जैसे तेल की एक बूंद पूरे पानी में फैलती है ।

प्रतिभा देवी
कक्षा - नवी 'द'

कला अनुभाग

ART GALLERY

SAYYADA YUSRA KHATOON
7,B

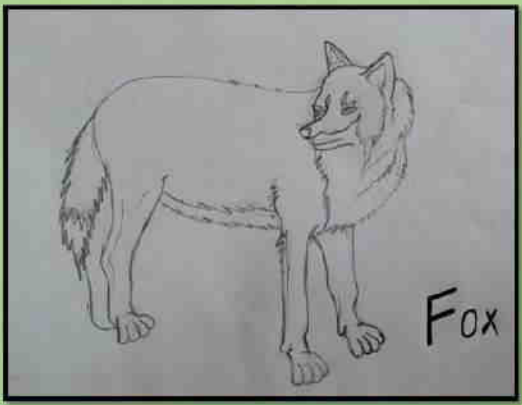

PRAGATI SINGH
8,C

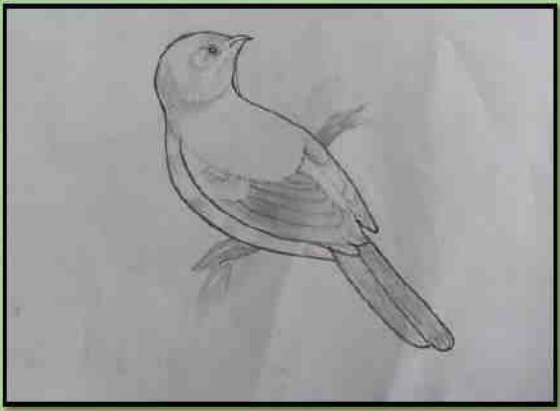

ABHINAV KUMAR RAJ
8,C

YAGYAAGNI
7,A

TANYA SHRIVASTAVA
10,C

ASHVIND KUMAR
9,B

SADIYA NOOR
7,A

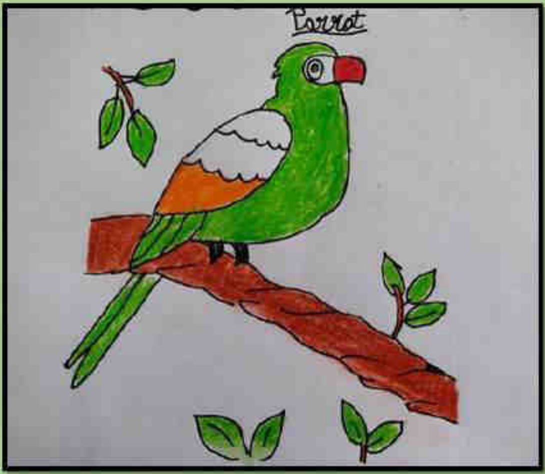

ARNAV YADAV
6,B

TARUSHI GUPTA
6,B

DIVYANSHI
6,A

ALISHBAH
6,A

VYANKTESH PRATAP
6,B

VIDHI TIWARI
10, C

ANAY SINGH
7,A

SADIYA NOOR
8, C

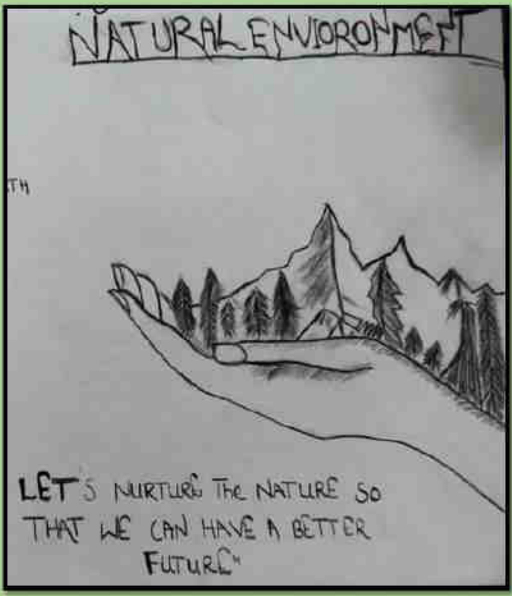

ARYAN SETH
7,B

YUVRAJ
6,B

DARSH VARSHNEY
7,B

GEETA
6,B

ZAINA MIRZA
9,B

TARUSHI GUPTA
6,B

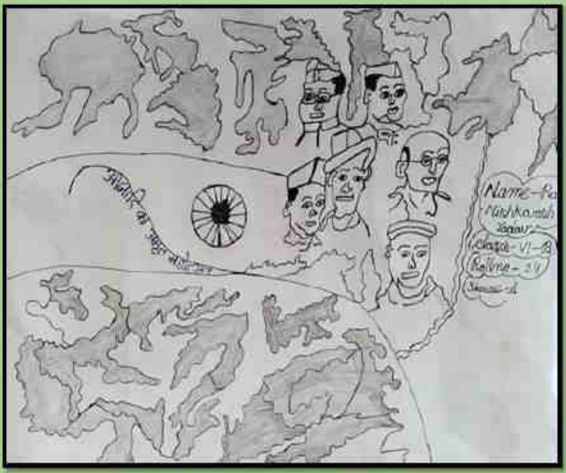

NISHKARSH YADAV
6,B

ANAHITA GAUTAM
8,C

ANSHIKA
10, B

AWANTIKA
12,C

CHITRANSH
12,C

CCA Activities

CCA ACTIVITIES 2021-22

INTER HOUSE DISPLAY BOARD COMP

SAY NO TO DRUGS

SLOGAN WRITING COMP.(ENGLISH)

EARTH DAY CELEBRATION

CCA ACTIVITIES 2021-22

SWACHTA PLEDGE | **SWACHTA ABHIYAN**

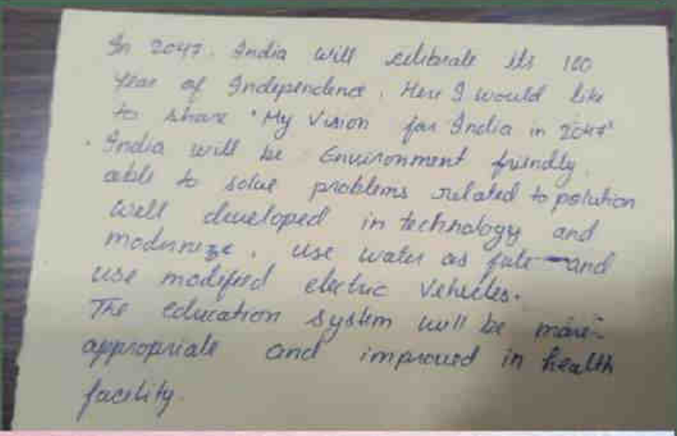

In 2047, India will celebrate its 100 year of Independence. Here I would like to share 'My Vision for India in 2047'
. India will be Environment friendly
able to solve problems related to polution
well developed in technology and modernize, use water as fate and use modified electric Vehicles.
The education system will be more appropriate and improved in health facility.

POST CARD WRITING COMPETITION

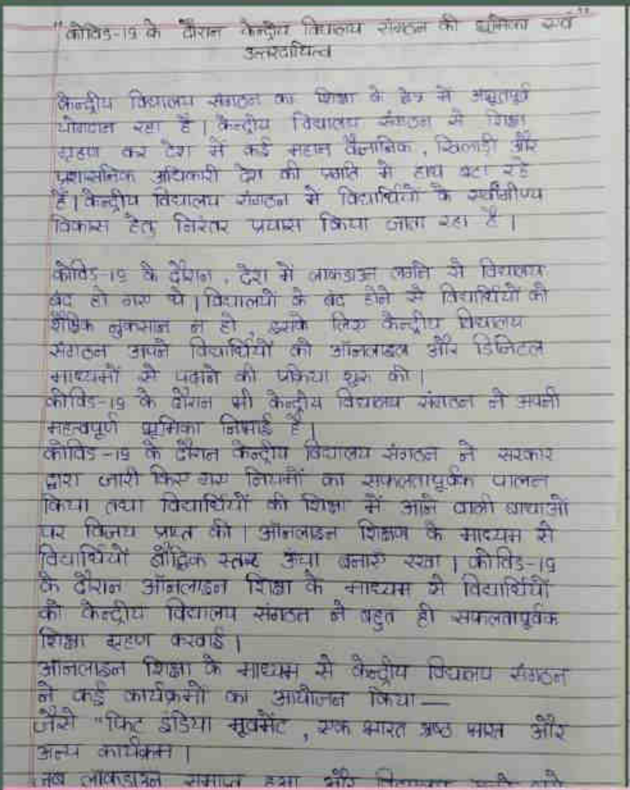

"कोविड-19 के दौरान केन्द्रीय विद्यालय संगठन की भूमिका एवं उत्तरदायित्व"

केन्द्रीय विद्यालय संगठन का शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान रहा है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन से शिक्षा ग्रहण कर देश में कई महान वैज्ञानिक, खिलाड़ी और प्रशासनिक अधिकारी देश की प्रगति में हाथ बटा रहे हैं। केन्द्रीय विद्यालय संगठन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयास किया जाता रहा है।

कोविड-19 के दौरान, देश में लॉकडाउन लगने से विद्यालय बंद हो गए थे। विद्यालयों के बंद होने से विद्यार्थियों की शैक्षिक नुकसान न हो, इसके लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन अपने विद्यार्थियों को ऑनलाइन और डिजिटल माध्यमों से पढ़ाने की प्रक्रिया शुरू की।
कोविड-19 के दौरान भी केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
कोविड-19 के दौरान केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों का सफलतापूर्वक पालन किया तथा विद्यार्थियों की शिक्षा में आने वाली बाधाओं पर विजय प्राप्त की। ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों बौद्धिक स्तर ऊँचा बनाए रखा। कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने बहुत ही सफलतापूर्वक शिक्षा ग्रहण करवाई।
ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया—
जैसे "फिट इंडिया मूवमेंट, एक भारत श्रेष्ठ भारत और अन्य कार्यक्रम।

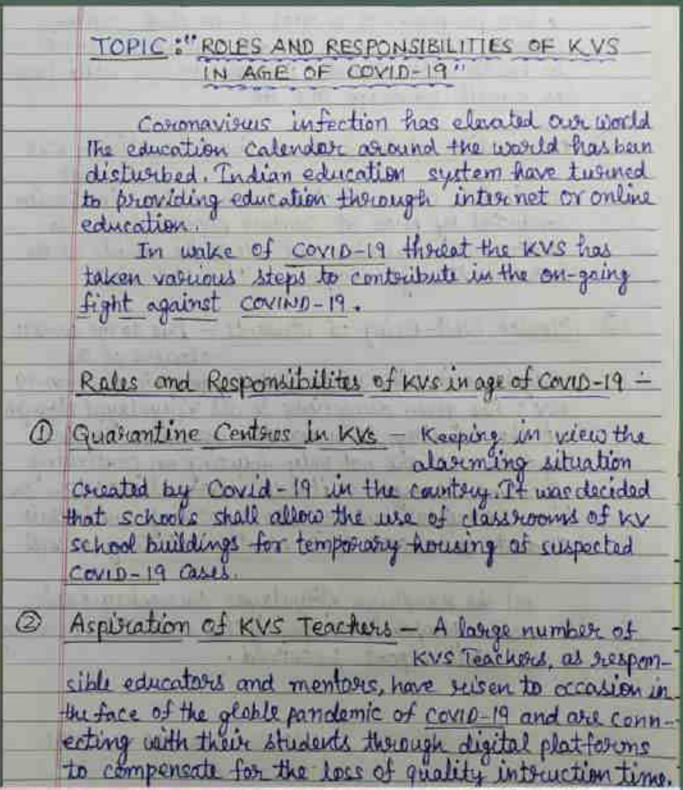

TOPIC : "ROLES AND RESPONSIBILITIES OF KVS IN AGE OF COVID-19"

Coronavirus infection has elevated our world. The education calendar around the world has been disturbed. Indian education system have turned to providing education through internet or online education.

In wake of COVID-19 threat the KVS has taken various steps to contribute in the on-going fight against COVID-19.

Roles and Responsibilites of KVS in age of COVID-19 :-

① Quarantine Centres in KVs – Keeping in view the alarming situation created by Covid-19 in the country, It was decided that schools shall allow the use of classrooms of KV school buildings for temporary housing of suspected COVID-19 cases.

② Aspiration of KVS Teachers – A large number of KVS Teachers, as responsible educators and mentors, have risen to occasion in the face of the global pandemic of COVID-19 and are connecting with their students through digital platforms to compensate for the loss of quality instruction time.

ESSAY WRITING COMPETITION

CCA ACTIVITIES 2021-22

CHEER 4 INDIA

HOUSE DISPLAY BOARD DECORATION COMP.

YOGA DAY CELEBRATION

ACTIVITIES -2021-22

FIT INDIA MOVEMENT PROGRAMME

COVID VACCINATION CAMP

KVS FOUNDATION DAY

PARIKSHA PE CHARCHA

REPUBLIC DAY -2021-22

ACTIVITIES -2021-22

TEACHER'S DAY CELEBRATION

TEACHER'S DAY CELEBRATION

WOMEN'S DAY CELEBRATION

ANNUAL PANEL INSPECTION-2021

GANDHI JAYANTI-2021

शहीद संग्रहालय, शाहजहापुर